RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

# यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

पेज 07

कृति सेनन, ने कभी नहीं सोचा था अभिनेत्री बनने के बारे में

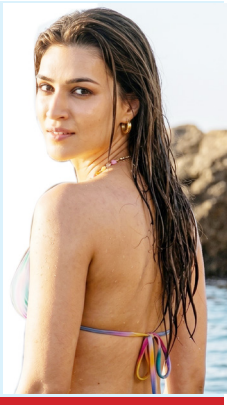

VOL: 03 | ISSUE 188 | FRIDAY DATE 31-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

## संक्षिप्त खबरें

### शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

**नयी दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई ।** युवा कांग्रेस केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर गुरुवार को विरोध प्रदर्शन करेगा। युवा कांग्रेस के प्रवक्ता वरुण पांडे ने बताया कि प्रदर्शन संगठन के अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में किया जायेगा। प्रदर्शन आज दोपहर 1.30 बजे केरल भवन से शुरू होकर जंतर मंतर तक निकाला जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन में बड़ी संख्या में संगठन के कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल होंगे और केंद्रीय गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग करेंगे।

### पेपर लीक करने वालों की अब खैर नहीं, सजा-दंड कई गुना बढ़े

**नई दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई ।** केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को राज्यसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक 2026 विचार एवं पारित कराने के लिए पेश किया। उन्होंने कहा कि यह संशोधन 2024 के कानून को और अधिक कठोर तथा प्रभावी बनाने के उद्देश्य से लाया गया है, ताकि पेपर लीक जैसे अपराधों पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके। विधेयक पर चर्चा की शुरूआत करते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह विधेयक लोकसभा से पारित होकर राज्यसभा में आया है, जहां इस पर लगभग दस घंटे चर्चा हुई थी। उन्होंने राज्यसभा को वरिष्ठों, अनुभवी और अधिक परिपक्व सदस्यों का सदन बताते हुए सभी दलों से रचनात्मक सहयोग की अपील की।

### संसद के मानसून सत्र में नहीं पेश होगा 'वन नेशन, वन इलेक्शन' बिल, जेपीसी का कार्यकाल बढ़ा

**नई दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई ।** संसद के मानसून सत्र में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' से जुड़ा संविधान संशोधन बिल पेश नहीं किया जाएगा। इस बिल की गहन जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी का कार्यकाल बढ़ा दिया गया है। अब समिति को अपनी रिपोर्ट शीतकालीन सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक सौंपनी होगी। संसद का मानसून सत्र अभी जारी है। इस सत्र में सरकार द्वारा 'वन नेशन, वन इलेक्शन' बिल लाने की चर्चा थी, लेकिन अब साफ हो गया है कि इस सत्र में इस विधेयक को सदन में पेश नहीं किया जाएगा और न ही इस पर चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक, जेपीसी को अभी और समय चाहिए ताकि वह सभी पक्षों से राय ले सके और बिल के हर पहलू की बारीकी से जांच कर सके। इसी वजह से समिति का कार्यकाल बढ़ाया गया है। समिति को शीतकालीन सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक रिपोर्ट देने का समय दिया गया है।

## प्रकृति, पर्यावरण और समस्त सृष्टि का सम्मान हमारे अस्तित्व के मूल में है : नरेंद्र मोदी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई ।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के जरिए देशवासियों को भारतीय संस्कृति के गूढ़ दर्शन, पर्यावरण संरक्षण और सनातन परंपराओं से जुड़ने का एक खास संदेश दिया है। संस्कृत श्लोकों (सुभाषित) और उनके मर्मस्पर्शी हिंदी अर्थों के माध्यम से प्रधानमंत्री ने एक स्वस्थ, समृद्ध और सशक्त भारत के निर्माण का आ'ान किया।

प्रधानमंत्री ने प्रकृति के प्रति सेवाभाव और कृतज्ञता व्यक्त करने की बात कही। उन्होंने लिखा, 'प्रकृति, पर्यावरण और समस्त सृष्टि का सम्मान हमारे अस्तित्व के मूल में है। आइए, हम इनके प्रति पूरी कृतज्ञता और सेवाभाव के साथ एक स्वस्थ, समृद्ध और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में सहभागी बनें।' इससे पहले बुधवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पीएम मोदी ने गुरु-शिष्य परंपरा को नमन करते हुए देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि शिष्यों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर उन्हें सुसंस्कारित भी करते हैं। इससे पूर्व बीते दिन मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी की ओर से सुभाषित शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा गया था, 'प्रकृति के संरक्षण और सम्मान में ही मानवता का कल्याण निहित है।

## शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर कोई कार्रवाई नहीं होगी : सूद

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई ।**

दल्ली के गृह मंत्री अशीष सूद ने गुरुवार को कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से अपना विरोध दर्ज कराने वाले छात्रों के विरुद्ध किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत सरकार पहले ही यह स्पष्ट कर चुकी है कि केवल प्रदर्शन में शामिल होने के आधार पर किसी छात्र के खिलाफ कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया जाएगा। सूद ने कहा कि यह राहत उन लोगों पर लागू नहीं होगी, जिनके विरुद्ध पहले से आपराधिक मामले दर्ज हैं अथवा जिन्होंने प्रदर्शन की आड़ में हिंसा, तोड़फोड़ या अन्य गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम दिया है। ऐसे मामलों में कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि गृह विभाग ने आज जारी अपनी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से भी यही स्पष्ट किया है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले छात्रों को किसी प्रकार की आशंका या भय रखने की आवश्यकता नहीं है। सरकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करती है, लेकिन कानून व्यवस्था भंग करने या हिंसक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के साथ किसी प्रकार की रियायत नहीं बरती जाएगी। छात्रों की आड़ में हिंसा करने वाले लोगों के संबंध में सूद ने कहा कि गृह विभाग की प्रेस विज्ञप्ति स्वयं इस विषय में पूरी तरह स्पष्ट है। जिन व्यक्तियों के आपराधिक रिकॉर्ड हैं अथवा जिन्होंने आंदोलन की आड़ में कानून को अपने हाथ में लेकर हिंसा करने का प्रयास किया है.

## बस्तर छत्तीसगढ़ का सबसे विकसित संभाग बनकर विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा : शाह

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई ।**

बस्तर संभाग के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इस अवसर पर केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के अलावा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया एक्स पर कार्यक्रम की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि आज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ बस्तर की सामाजिक परंपराओं के प्रमुख मांझी-चालकी और बस्तर पंडुम के विजेताओं के साथ संवाद किया। राष्ट्रपति भवन में पहली बार बस्तर की पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे बस्तरवासी इस बात के प्रमाण हैं कि जो बस्तर कभी नक्सली हिंसा के कारण अपनी समृद्ध विरासत, संस्कृति और परंपराओं को खोता जा रहा था, वह आज नक्सलमुक्त होकर अपनी धरोहरों को सहेज रहा है।

उन्होंने कहा कि विकास के पथ पर आगे बढ़ चुका बस्तर आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ का सबसे विकसित संभाग बनकर विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि बस्तर पंडुम केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं है; बल्कि यह बस्तर की गौरवशाली परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान का उत्सव है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों मंचों पर बस्तर की वास्तविक पहचान स्थापित करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों ने युवाओं को अपनी परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विरासत से पुनः जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। ऐसे कार्यक्रम पर्यटन को भी बढ़ावा देते हैं और रोजगार के अवसर भी उत्पन्न करते हैं।

राष्ट्रपति ने सामाजिक जीवन और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में मांझी और चालकी की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि वे समुदाय और प्रशासन के बीच एक प्रभावी सेतु के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे अपने समर्पण और नेतृत्व से समाज में सुख-शांति और समृद्धि के लिए कार्य करते रहेंगे।

राष्ट्रपति को यह जानकर प्रसन्नता हुई कि सरकार के प्रयासों और बस्तर के लोगों की सक्रिय भागीदारी से आज बस्तर क्षेत्र विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि लोग हिंसा के वातावरण से निकलकर शिक्षा, रोजगार और विकास के नए अवसरों से जुड़ रहे हैं। यह परिवर्तन बस्तर के उज्ज्वल भविष्य का शुभ संकेत है। दूर-दराज के गांवों तक सड़क, बिजली और पेयजल जैसी सुविधाएं पहुंच रही हैं। लंबे समय तक बंद रहे विद्यालयों में फिर से बच्चों की चहल-पहल दिखाई दे रही है और शिक्षा का प्रकाश घर-घर तक पहुंच रहा है। आज बस्तर में आशा, विश्वास और प्रगति का एक नया वातावरण निर्मित हो रहा है। यह परिवर्तन पूरे देश के लिए प्रसन्नता और गर्व का विषय है। राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय समुदाय के युवा शिक्षा, विज्ञान, कला और खेल-कूद के क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

## छात्राओं के लिए अब स्कूल की दूरी पढ़ाई में नहीं बनेगी बाधा : रेखा गुप्ता

**नई दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई ।** दिल्ली सरकार छात्राओं को साइकिल मुहैया कराने के लिए कल शुक्रवार से विद्या वाहिनी योजना शुरू करेगी । इस योजना के तहत छात्राओं को साइकिलें दी जाएंगी । मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया एक महीने में 1 40 छात्राओं को साइकिल देने का लक्ष्य है । इस छात्राओं को अपनी पढ़ाई का अधिक समय मिलेगा और वह शिक्षा को लेकर अधिक जागृत होंगी । साइकिल वितरण की शुरूआत पूर्वी दिल्ली के ईस्ट विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक बड़े कार्यक्रम से होगी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी । कक्षा 9 की छात्राओं को साइकिलें वितरित की जाएंगी ।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले चरण करीब 3,000 साइकिलें वितरित करने का लक्ष्य अ। विद्या वाहिनी योजना के तहत आगामी एक महीने में 1.40 लाख छात्राओं को साइकिलें दी जाएंगी । छात्राओं को साइकिल देने का उद्देश्य घर से विद्यालय तक उनकी पहुंच को अधिक सुगम बनाना है। जिससे छात्राएं निर्धारित समय पर स्कूल पहुंच सकें और उनकी अधिक से अधिक उपस्थिति सुनिश्चित हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की इस पहल का उद्देश्य छात्राओं को पढ़ाई के प्रति ज़िम्मेदार बनाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाना है । दिल्ली सरकार का संकल्प है कि दिल्ली की एक भी बेटी स्कूल दूर होने की वजह से पढ़ाई से वंचित न हों रह जाए । संसाधनों की कमी या परिवहन से समस्या के छात्रा को अपनी पढ़ाई न छोड़नी पड़े ।

## एयरोसिटी के भविष्य को लेकर बड़ा फोकस, उपराज्यपाल टी.एस. संधू ने विकास कार्यों की समीक्षा की

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई**

दिल्ली की लंबी अवधि की शहरी विकास योजना के मुताबिक सुनिश्चित करने की पहल का यह एक हिस्सा था।

दिल्ली के उपराज्यपाल टी.एस. संधू ने एयरोसिटी का दौरा करके वहां चल रहे बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों की समीक्षा की इस दौरान, जीएमआर के अधिकारियों ने उन्हें अलग-अलग परियोजनाओं की प्रगति और भविष्य की विकास योजनाओं की जानकारी दी राजधानी के प्रमुख विकास केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने और निजी क्षेत्र द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों को

उपराज्यपाल ने जीएमआर अधिकारियों के साथ एयरोसिटी के सतत एवं सुनियोजित शहरी विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि भविष्य की सभी विकास परियोजनाओं में पर्यावरण संरक्षण और दीर्घकालिक जरूरतों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बैठक में जल संरक्षण, वर्षा जल प्रबंधन और मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने के लिए तैयार किए जा रहे उपायों की भी समीक्षा की गई उपराज्यपाल ने एयरोसिटी और उसके आसपास बढ़ते यातायात को देखते हुए ट्रैफिक प्रबंधन की योजनाओं की भी समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट, व्यावसायिक गतिविधियों और आतिथ्य क्षेत्र के कारण इस इलाके में यातायात का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में निर्बाध लास्ट-माइल मेट्रो कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि यात्रियों और आगंतुकों को बेहतर सुविधा मिल सके और यातायात का दबाव कम हो।

## भाजपा-आरएसएस की नीयत जान चुका है देश का युवा : प्रियंका

**नयी दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई ।** कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) कुछ भी प्रयास कर लें, कोई भी उलाहना दें, लेकिन देश का युवा उनका सच और उनकी नीयत को जान चुका है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को पहले भाजपा-आरएसएस की वास्तविकता का पता नहीं था, उन्हें अब उनकी सचाई समझ में आ चुकी है। उनकी नीयत को पूरा देश और युवा समझ चुके हैं। श्रीमती वाड्रा ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि देश की आजादी की लड़ाई, सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों पर आधारित थी लेकिन उसमें आरएसएस का कोई योगदान नहीं था।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

## संक्षिप्त खबरें

### महिला की मौत के बाद ससुराल पक्ष के तीन लोग गिरफ्तार हुए

**लोनी, यूटर्न/ 30 जुलाई ।** आर्य नगर कॉलोनी में महिला की मौत के बाद बॉर्डर थाना पुलिस ने ससुराल पक्ष के तीन लोगों को नीलम फैक्टरी सौ फुटा रोड से गिरफ्तार किया है। ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या का आरोप है। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि आर्य नगर कॉलोनी में सोमवार को कल्पना आर्य की मौत हुई थी। महिला के पिता सत्य प्रकाश ने ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मंगलवार देर रात दहेज हत्या के आरोप में ससुर राजेश, सास वीना देवी व पति दीन दयाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस को पूछताछ में आरोपी पति दीन दयाल ने बताया कि उनकी शादी करीब तीन साल पहले कल्पना से हुई थी। घर में दहेज को लेकर झगड़ा होता था और उसी के चलते कल्पना ने फंदा लगाकर जान दे दी।

### खाली प्लॉट में मिला अज्ञात युवक का शव

**लोनी, यूटर्न/ 30 जुलाई ।** अशोक विहार कॉलोनी के खाली प्लॉट में युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी लोनी राम किशन ने बताया कि अशोक विहार कॉलोनी के लोगों ने बुधवार सुबह युवक का शव मिलने की सूचना पुलिस को दी। शव की पहचान करने का प्रयास किया गया, लेकिन कामयाबी नहीं मिल सकी। शव की शिनाख्त के लिए आसपास के थानों में मृतक के फोटो भेजे गए हैं। उसके बाद ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

### निमार्णाधीन मकान की छत से गिरकर मजदूर की मौत

**लोनी, यूटर्न/ 30 जुलाई ।** राजीव गार्डन कॉलोनी में निमार्णाधीन मकान की छत से काम करने के दौरान मजदूर की गिरकर घायल हो गया। घायल को अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के परिजनों को मामले की जानकारी दी। मूलरूप से फुलहैरा बुलंदशहर के ईश्वर सिंह मजदूरी करते थे। परिवार में पत्नी विमलेश और तीन बच्चे संजना, विनय, विनीत हैं। मंगलवार सुबह वह संगम विहार चौकी के पास गली स्थित रवीश के निमार्णाधीन मकान के प्रथम तल पर काम कर रहे थे। बल्ली पकड़ने के दौरान पैर फिसलने से वह 15 फुट नीचे गली में गिर कर घायल हो गए और अस्पताल में मौत हो गई। घटना के परिवार के लोगों का रो- रोकर बुरा हाल है।

# छात्रों से संवाद नहीं, बल का प्रयोग किया सरकार ने जवाबदेही नहीं दिखाई: खड़गे

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई ।**

राज्यसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने छात्रों के आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय बल प्रयोग किया और पूरे मामले पर गृह मंत्री ने सदन और देश के सामने जवाबदेही नहीं दिखाई। खड़गे ने कहा कि छात्रों और युवाओं की ताकत ही सरकार को जवाब देने के लिए मजबूर करेगी। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार की ओर से हर विषय पर कुछ चुनिंदा मंत्री ही जवाब देते हैं, जबकि जिन मंत्रियों से संबंधित विषय होता है, वे सामने नहीं आते। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई की घटना के तुरंत बाद सरकार को देश के सामने पूरी सच्चाई रखनी चाहिए थी, लेकिन सरकार ने इस पूरे मामले पर संसद या देश के सामने विस्तृत बयान नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने छात्रों से सीधे संवाद करने के बजाय अन्य माध्यमों से अपनी बात रखने की कोशिश की। खड़गे ने सरकार से कई सवाल पूछते हुए कहा कि छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने पूछा कि छात्रों लाठीचार्ज का आदेश किसने दिया। आंसू गैस छोड़ने का आदेश किसने दिया, पैलेट गन के इस्तेमाल की अनुमति किसने दी, सादे कपड़ों में छात्रों की पिटाई करने वाले लोग कौन थे, दिल्ली पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स ने किसके निर्देश पर कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि यदि गृह मंत्री इन सवालों का जवाब नहीं दे सकते तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह मामला केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार, उत्तर प्रदेश और असम सहित कई राज्यों में भी छात्रों के साथ कठोर कार्रवाई हुई, लेकिन केंद्र सरकार इस पर मौन रही। उन्होंने कहा कि सरकार को यह बताना चाहिए कि छात्रों के खिलाफ हुई कथित कठोर कार्रवाई पर उसे कोई पछतावा है या नहीं। खड़गे ने पूर्व शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद संसद परिसर में सत्ता पक्ष द्वारा किए गए स्वागत पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिस तरह उनका स्वागत किया गया, उससे ऐसा संदेश गया मानो किसी बड़ी उपलब्धि का उत्सव मनाया जा रहा हो। उन्होंने कहा कि यदि किसी मंत्री के कार्यकाल में ऐसी गंभीर घटनाएं हुई हों तो स्वाभाविक रूप से आत्ममंथन और खेद व्यक्त किया जाना चाहिए था, न कि सार्वजनिक स्वागत। खड़गे ने कहा कि केवल किसी एक मंत्री के इस्तीफे से पूरी परीक्षा व्यवस्था नहीं बदल जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और परीक्षा संचालन की व्यवस्था में व्यापक सुधार नहीं किए गए तो भविष्य में फिर पेपर लीक की घटनाएं होंगी और संसद में बार-बार इसी मुद्दे पर बहस करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने संशोधन विधेयक में सजा और जुमार्ना बढ़ाने पर जोर दिया है, लेकिन पेपर लीक रोकने के लिए आवश्यक संस्थागत और प्रशासनिक सुधारों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। खड़गे ने कहा कि सरकार को केवल दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिससे पेपर लीक जैसी घटनाएं होने की संभावना ही समाप्त हो जाए।

### महिला ने 'आप' विधायक और उनके बेटे पर मारपीट का लगाया आरोप, एफआईआर दर्ज

**नई दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई ।** दिल्ली पुलिस ने 'आप' विधायक वीरेंद्र सिंह कादियान, उनके बेटे और अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह एफआईआर एक महिला के आरोपों के आधार पर दर्ज की गई है, जिसका परिवार फूल बेचकर गुजारा करता है। जिमी नाम की शिकायतकर्ता ने गुरुवार को एमएलए और उनके बेटे पर अपने परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट करने और गाली-गलौज व अश्लील भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। जिम्मी ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, '18 जुलाई को निरंजन नाम का एक व्यक्ति मेरी फूलों की दुकान पर आया। उसने कहा कि वह 'आप' विधायक वीरेंद्र कादियान के ऑफिस से आया है। उसने मेरे पिता से 500 रुपए का गुलदस्ता लिया। जब मेरे पिता ने पैसे मांगे तो उसने फूलों की लागत के लिए कम से कम 300 रुपए देने का अनुरोध किया। पैसे देने के बजाय उसने फूल ले लिए और विधायक के ऑफिस से होने का दावा करते हुए हमारी दुकान हटवाने की धमकी दी।' उन्होंने आगे आरोप लगाया कि बाद में उसी दिन, लगभग 3 बजे, निरंजन ने कैंटोनमेंट बोर्ड से शिकायत की, जिसके बाद अधिकारियों ने उनकी दुकान हटा दी और उनका सामान जब्त कर लिया। शिकायत करने वाली महिला ने आरोप लगाया, 'दोपहर करीब 3:30 बजे जब हम विधायक वीरेंद्र कादियान के ऑफिस गए, तो उन्होंने अपने समर्थकों को दरवाजा बंद करने का इशारा किया। उन्होंने मेरी मां को थप्पड़ मारा और उनके साथ बदतमीजी से बात करते हुए गाली-गलौज की। जब मेरे पति ने घटना को रिकॉर्ड करने के लिए अपना फोन निकाला तो आठ-दस लोगों ने उन पर हमला कर दिया। विधायक के बेटे ने उनकी आंख के पास मारा, जिससे खून बहने लगा। एमएलए के बेटे ने मेरे साथ दुर्व्यवहार किया।' उन्होंने आगे दावा किया कि बहस के दौरान उनका दो साल का बेटा जमीन पर गिर गया।

# एक लाइनमैन के भरोसे तीन कॉलोनी, जल्द कैसे होंगे बिजली के फाल्ट दूर

» **साहिबाबाद, यूटर्न/ 30 जुलाई ।**

टीलामोड़ की डिफेंस कॉलोनी, कृष्णा विहार कुटी कॉलोनी और पंचशील कॉलोनी के निवासी लगातार बिजली कटौती से परेशान हैं। क्षेत्र में 33 केवी लाइन में फॉल्ट आने के बाद लोगों को तीन-चार घंटे तक बिजली बहाल होने का इंतजार करना पड़ रहा है। बुधवार को कॉलोनी में तीन घंटे बिजली गुल रही। लोगों का आरोप है कि एक लाइनमैन तीन कॉलोनियों का काम है। ऐसे बिजली के फाल्ट जल्द दूर होना मुशकिल है।

स्थानीय निवासी सोनू प्रजापति का आरोप है कि संबंधित बिजलीघर पर केवल एक लाइनमैन तैनात होने के कारण फॉल्ट ठीक करने में काफी समय लग रहा है। लाइनमैन पर तीनों कॉलोनियों की बिजली व्यवस्था का जिम्मा है। आए दिन उपभोक्ताओं को तीन से चार घंटे तक बिजली की परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने बताया कि लाइनमैन ने भी अधिकारियों से स्टाफ की मांग कर रखी है।

वहीं, बृजविहार में बालाजी विहार के चौराहा के पास बिजली के पोल आग करीब 20-25 मिनट तक आग जलती रही। लोगों का आरोप है कि ऊर्जा निगम की टीम लोगों की समस्या नहीं देख रही है।

निवासी नैतिक ने बताया कि निगम लगातार मरम्मत कार्य करने का दावा करता है, लेकिन पोल टूटने और आग लगने के मामले लगातार हो रहे हैं। मुख्य अभियंता नरेश भारती ने बताया कि कुछ लाइन मैन बिजली घर से हटाए गए थे, उनके बदले में नए लाइनमैन को कार्यभार दिया गया है। इससे समस्या कम हो जाएगी।

## नकली दवाओं के नेटवर्क पर शिकंजा, 50 कार्टन दवाएं जब्त

» **गुरुग्राम, यूटर्न/ 30 जुलाई ।**

गुरुग्राम एफडीए और दिल्ली ड्रग विभाग की संयुक्त टीम ने दिल्ली के नरेला स्थित एक फ्लैट पर छापेमारी की है। इस कार्रवाई में करीब 50 कार्टन एलोपैथिक दवाएं बरामद की गईं। इनमें बड़ी मात्रा में नकली रक्तचाप की दवाएं होने की आशंका है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों एफडीए आयुक्त डॉ. मनोज यादव और राज्य औषधि नियंत्रक रिपन मेहता के निर्देश पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) गुरुग्राम ने नकली दवाओं के खिलाफ कार्रवाई करते हुए फर्जी टेल्मा-एएम दवा बेचने वाले रैकेट का पदार्फाश किया था। यह कार्रवाई वरिष्ठ औषधि नियंत्रक गुरचरण सिंह के नेतृत्व में ड्रग्स कंट्रोल ऑफिसर अमनदीप चौहान, डॉ. सुरेश कुमार और मुकेश कुमार की टीम ने की थी। इसी कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली ड्रग विभाग की संयुक्त टीम ने दिल्ली के नरेला स्थित एक फ्लैट पर छापेमारी की है।

सभी बरामद दवाओं के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। यह छापेमारी नकली दवाओं की आपूर्ति से जुड़े एक बड़े नेटवर्क पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से की गई। छापेमारी के दौरान मुख्य सप्लायर मौके पर मौजूद नहीं था। अधिकारियों ने बताया कि मामले में अन्य संदिग्धों को भी जांच में शामिल होने के लिए नोटिस जारी किए जाएंगे। इन दवाओं की बाजार में कीमत लाखों रुपये में होने का अनुमान है।

जब्त किए गए नमूनों की प्रयोगशाला रिपोर्ट का इंतजार है। रिपोर्ट आने के बाद ही दवाओं के नकली होने की पुष्टि हो पाएगी। अधिकारियों का कहना है कि मुख्य सप्लायर की तलाश जारी है। इस मामले में कई और गिरफ्तारियां होने की संभावना है। विभाग नकली दवाओं के पूरे आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

# 2014 से गढ़ा गया राजनीतिक नैरेटिव ध्वस्त, सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने सच को किया उजागर : लाल बहादुर खोवाल

**कोयला आवंटन मामला राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल हुआ, अब भाजपा देश से माफी मांगे : लाल बहादुर खोवाल**

» **राजेश सलूजा**

हरियाणा, यूटर्न/ 30 जुलाई । सुप्रीम कोर्ट द्वारा कोयला खदान आवंटन मामले में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के विरुद्ध विशेष अदालत द्वारा जारी समन को निरस्त करते हुए सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार किए जाने के फैसले का कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट हरियाणा ने स्वागत करते हुए इसे सत्य, न्याय और संविधान की जीत बताया है। कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट हरियाणा के स्टेट चेयरमैन एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल तथा स्टेट मीडिया कॉर्डिनेटर एडवोकेट बजरंग इंदल ने संयुक्त बयान में कहा कि भाजपा ने वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले और उसके बाद भी कोयला आवंटन मामले को राजनीतिक हथियार बनाकर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह तथा कांग्रेस की छवि धूमिल करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले ने उस पूरे राजनीतिक नैरेटिव पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।दोनों ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह भारतीय राजनीति के उन विरले नेताओं में रहे, जिनकी व्यक्तिगत ईमानदारी, सादगी और संवैधानिक प्रतिबद्धता का सम्मान देश-विदेश में किया जाता रहा है। इसके बावजूद उन्हें वर्षों तक राजनीतिक आरोपों के केंद्र में रखकर जनता के बीच भ्रम पैदा किया गया। उनका आरोप है कि इस तरह की राजनीति का उद्देश्य जनता का ध्यान बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक असमानता और अन्य जनहित के मुद्दों से भटकाना था।खोवाल ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय केवल एक कानूनी फैसला नहीं बल्कि उन करोड़ों देशवासियों के विश्वास की भी जीत है जिन्होंने डॉ. मनमोहन सिंह की ईमानदारी और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर हमेशा भरोसा रखा। उन्होंने कहा कि अब यह स्पष्ट हो गया है कि राजनीतिक आरोप और न्यायिक सत्य अलग-अलग होते हैं।उन्होंने कहा कि यदि भाजपा वास्तव में लोकतांत्रिक मूल्यों और न्यायपालिका का सम्मान करती है तो उसे नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए देश से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

वर्षों तक पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को राजनीतिक आरोपों के आधार पर कठघरे में खड़ा किया गया और उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया।

अब सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद भाजपा को आत्ममंथन करना चाहिए।स्टेट मीडिया कॉर्डिनेटर एडवोकेट बजरंग इंदल ने कहा कि इतिहास गवाह है कि कांग्रेस सरकारों ने देश को आर्थिक उदारीकरण, सूचना का अधिकार, मनरेगा, शिक्षा का अधिकार और भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते जैसे अनेक ऐतिहासिक निर्णय दिए। डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान और आर्थिक मजबूती मिली।

# पीजीएसडी शिक्षा संस्थान में अच्छी शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी दिए जाते हैं : बजरंग गर्ग

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 30 जुलाई । पीजीएसडी शिक्षा संस्थान में विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि पीजीएसडी शिक्षण संस्थान के प्रधान व प्रमुख समाजसेवी बजरंग गर्ग थे ।विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई विभिन्न प्रस्तुति जिसमें मोबाइल के दुष्परिणाम, पर्यावरण, प्रदूषण, वर्षा जल संग्रहण, हदय, मनुष्य का उत्सर्जन तंत्र, पुनर्चक्रण , कंप्यूटर,

शैक्षणिक, वैज्ञानिक एक रचनात्मक परियोजनाओं की प्रस्तुति का भव्य आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि बजरंग गर्ग में प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न मॉडल कला कृतियां ऐव नवाचार का बड़े ध्यान से देखा उन्होंने विद्यार्थियों की मेहनत और सोच की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसी प्रदर्शनियां बच्चों की छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

इससेविद्यार्थियोंमें आत्मविश्वास बढ़ता है तथा उन्हें नए विचारों के लिए प्रेरणा मिलती है। बजरंग गर्ग ने कहा कि पीजीएसडी शिक्षा संस्थान शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद में अव्वल स्थान पर रहता है।

# राम मंदिर दान घोटाला मानवीय मूल्यों पर कलंक, दोषियों को किसी कीमत पर न बख्शे अदालत : दीपा शर्मा

» हरियाणा, यूटर्न/ 30 जुलाई।

अयोध्या के भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए दान और चढ़ावे की चोरी मामले में भ्रष्टाचार निवारण अदालत ने सभी आठ आरोपियों की न्यायिक रिमांड 14 दिन और बढ़ाकर 10 अगस्त, 2026 तक जेल में रखने का आदेश दिया है। सुरक्षा कारणों से जिला जेल से सभी आरोपियों की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कराई गई थी। इस बेहद संवेदनशील मामले पर कड़ी चिंता जताते हुए मानवाधिकार संगठन की हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष और सुप्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता दीपा शर्मा ने इसे देश-विदेश के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और उनके धार्मिक मानवाधिकारों पर एक बड़ा आघात बताया है।

वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता दीपा शर्मा ने चंडीगढ़ से जारी अपने आधिकारिक बयान में कहा कि राम मंदिर दुनिया भर के लोगों के समर्पण का केंद्र है, जहां हर नागरिक अपनी गाढ़ी कमाई का अंश अर्पित करता है। ऐसे पवित्र स्थान से दान के पैसों की चोरी करना एक अक्षम्य और गंभीर अपराध है।दीपा शर्मा ने माननीय अदालत से मांग की है कि समाज में एक कड़ा संदेश देने के लिए इन दोषियों को ऐतिहासिक सजा दी जाए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा लखनऊ रेंज के आईजी की अध्यक्षता में गठित नई एसआईटी (रक्ळ) जांच और फॉरेंसिक ऑडिट की तैनाती का स्वागत करते हुए कहा कि इस महा-चोरी के पीछे शामिल बैंक व ट्रस्ट के हर संदेहास्पद कर्मचारी और मुख्य आरोपियों द्वारा बनाई गई बेनामी संपत्तियों को पूरी तरह बेनकाब किया जाना चाहिए।

# जग ज्योति दरबार में सावन के पहले दिन शुरू हुआ सावन शिव अनुष्ठान

महंत राजेंद्र पुरी ने शुरू किया सर्वकल्याण की भावना से सावन अनुष्ठान, महंत राजेंद्र पुरी आज से पूरे सावन महीने के लिए शुरू करेंगे खड़ी तपस्या

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 30 जुलाई । जग ज्योति दरबार में वीरवार को सावन के पहले दिन सावन शिव अनुष्ठान शुरू हुआ। दरबार में महंत राजेंद्र पुरी ने नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में शिवलिंग के समक्ष एक महीने के संकल्प के साथ सर्वकल्याण की भावना से अनुष्ठान शुरू किया। इसी के साथ बताया कि 31 जुलाई से पूरे सावन महीना की महंत राजेंद्र पुरी कठोर खड़ी तपस्या करेंगे।

महंत राजेंद्र पुरी ने कहा कि सावन महीने में श्रद्धालुओं को भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। सावन में भगवान शिव तथा माता पार्वती धरती पर शिव भक्तों के अंग संग होते हैं तथा शिव भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। महंत राजेंद्र पुरी के सान्निध्य में श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और भक्ति भाव से शिव भजनों का गुणगान किया। जग ज्योति दरबार शिव महिमा भजनों से गूंज उठा। साथ ही हवन यज्ञ भी किया।

सावन के पहले दिन शिव भक्तों ने जलाभिषेक, बेलपत्र अर्पण, फल इत्यादि अर्पण कर धूप-दीप से पूजन किया। दरबार में सावन महीने का रुद्राभिषेक करने के लिए दूर दूर से यजमान के तौर पर श्रद्धालु पहुंचे। महंत राजेंद्र पुरी ने पूजन के उपरांत कहा कि पूरे सावन माह में शिव की आराधना से शिव भक्तों के समस्त कष्ट दूर होते हैं। उन्होंने बताया कि दरबार में कावड़ लाने वाले शिव भक्तों के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। शिव आराधना के लिए मथुरा वृंदावन से पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद भी वितरित किया।

सावन के पहले दिन के अनुष्ठान में संदीप गोस्वामी, अर्जुन सांगवान, धीरज राणा, बलराम सिंह, सोहन चौहान, अमित कुमार, विकास शर्मा, विजय शर्मा, दिनेश शर्मा, विजय राठी, अक्षय राठी, हर्ष राठी, अजय राठी, मनप्रीत सिंह, सुषमा, कमला देवी, हर्षिता, मनस्वी इत्यादि भी मौजूद रहे।

शहीद ऊधम सिह को विद्यार्थियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

**कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 30 जुलाई ।** श्रीमती केसरी देवी लोहिया जय राम पब्लिक स्कूल में देश के महान क्रांतिकारी एवं अमर शहीद ऊधम सिंह का शहीदी दिवसश्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम देशभर में संचालित श्री जय राम संस्थाओं के संरक्षक एवं श्री जय राम शिक्षण संस्थान के चेयरमैन ब्रह स्वरूप ब्रह्मचारी महाराज की प्रेरणा से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजु अग्रवाल तथा समस्त अध्यापिकाओं द्वारा शहीद ऊधम सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर कक्षा दसवीं की छात्रा नमन ने शहीद ऊधम सिंह के जीवन एवं बलिदान पर आधारित एक भाषण द्वारा सभी को भावविभोर कर दिया। प्रधानाचार्या अंजु अग्रवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शहीद ऊधम सिंह भारत मां के सच्चे सपूत थे।

# मासूम का अपहरण करने के मामले में दोषी को पांच साल की सजा

**फरीदाबाद, यूटर्न/ 30 जुलाई ।** ढाई साल के बच्चे को 20 लाख रुपये में बेचने की कथित साजिश के तहत घर से अपहरण के मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संदीप यादव की अदालत ने अहमद को भारतीय दंड संहिता की धारा 363 के तहत दोषी ठहराते हुए मंगलवार को पांच वर्ष के साधारण कारावास और 10 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है। अदालत ने कहा कि इतने गंभीर अपराध में नरमी बरतने से समाज में गलत संदेश जाएगा। अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार, सेक्टर-17 थाना क्षेत्र में 12 मार्च 2021 को इरफान ने शिकायत दी थी कि उनका करीब ढाई वर्षीय बेटा ईशान घर के बाहर गली में खेलते समय लापता हो गया। पूछताछ में पता चला कि बच्चा पड़ोसी अहमद के साथ खेल रहा था। इसके बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। 13 मार्च 2021 को पुलिस ने अहमद को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बच्चे को सकुशल वापस लिया। अभियोजन के अनुसार, जांच के दौरान सामने आया कि दोषी ने अपने साथियों के साथ मिलकर बच्चे को 20 लाख रुपये में शाहीन उर्फ सायना बानो को बेचने की योजना बनाई थी। इसी आधार पर मामले में मानव तस्करी और आपराधिक साजिश से संबंधित धाराएं भी जोड़ी गईं थीं।

# गीता ज्ञान को घर-घर तक पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध: नायब सिंह सैनी

» परमिंदर सिंह

कुरूक्षेत्र, यूटर्न/ 30 जुलाई । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार गीता को पाठ्यक्रम में और घर-घर गीता के संकल्प पर काम कर रही है। श्रीमद्भगवद्गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का संपूर्ण विज्ञान है। गीता में कर्म, धर्म, ज्ञान और भक्ति का जो समन्वय बताया गया है, वही आज के समय में समाज और देश को आगे बढ़ाने का आधार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार संस्कृति और विकास को साथ लेकर चल रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने देर सायं गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गीता ज्ञान संस्थान कुरुक्षेत्र के राधा कृष्ण मंदिर में गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज से भेंट की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज से गुरु शिष्य परंपरा निभाते हुए शॉल उड़ाकर और फल-मिठाई भेंट कर आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री ने संस्थान के राधा कृष्ण मंदिर में मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा का दिन गुरु-शिष्य परंपरा और भारतीय संस्कृति के गौरव का प्रतीक है। गीता की भूमि कुरुक्षेत्र से पूरे विश्व को जीवन जीने की कला मिली है। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज पिछले कई दशकों से गीता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उनका जीवन और कार्य हम सभी के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय गीता नगरी के रूप में विकसित किया जा रहा है।

ब्रह्मसरोवर, ज्योतिसर और गीता ज्ञान संस्थान जैसे केंद्रों के माध्यम से हम पूरे विश्व में गीता का संदेश पहुंचाना चाहते हैं। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव आज विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजनों में से एक बन गया है। यह सब गीता मनीषी जैसे संतों के आशीर्वाद से ही संभव हुआ है।

# 31 जुलाई को प्रकाशित होगी मतदाता सूची का ड्राफ्ट, दावे-आपत्तियों के लिए रहेगा एक माह का अवसर: डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 30 जुलाई। प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी ए. श्रीनिवास ने वीरवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-2026) के तहत मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा के लिए सभी जिलों के उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। बैठक में उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जिले में अब तक की एसआईआर की विस्तृत प्रगति से मुख्य चुनाव अधिकारी को अवगत कराया। इस दौरान मुख्य चुनाव अधिकारी ने पुनरीक्षण कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरी पारदर्शिता और गंभीरता के साथ संपन्न करने तथा शेष कार्यों में और अधिक गति लाने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने बताया गया कि जिले के चारों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता गणना प्रपत्रों का संग्रहण और सत्यापन कार्य तेजी से पूरा किया गया है। जिले में कुल 9 लाख 66 हजार 687 मतदाता हैं, जिनमें से 7 लाख 85 हजार 16 मतदाताओं का सत्यापन किया जा चुका है। सत्यापित मतदाताओं के आधार पर 31 जुलाई को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 31 जुलाई से 30 अगस्त तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इसके बाद नियमानुसार उनका निस्तारण किया जाएगा तथा 3 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। उपायुक्त ने बताया कि जिले के सभी निर्वाचक पंजीयन अधिकारियों, सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारियों, सुपर वाइजरों तथा बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) का प्रशिक्षण पूरा कराया जा चुका है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

# 2027 के पंजाब चुनावों का रास्ता डिब्रूगढ़ से होकर गुजरता है

संदीप शर्मा

बीते बुधवार को चंडीगढ़ की सड़कें बंद थीं, लेकिन विरोध प्रदर्शन का मकसद मुख्यमंत्री आवास से कहीं आगे तक का था। इसका सीधा इशारा 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों की ओर था। एक तरफ, अकाली दल (वारिस पंजाब दे) का मार्च जेल में बंद खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल सिंह की रिहाई की मांग को लेकर था। दूसरी तरफ, यह एक साफ संकेत था कि पंजाब की राजनीतिक कहानी (नैरेटिव) की लड़ाई शुरू हो चुकी है। हर नारा, हर बैरिकेड और हर वॉटर कैनन का मकसद आज की कानून-व्यवस्था से ज्यादा भविष्य के चुनावी गणित को साधना था। आम आदमी पार्टी सरकार के सामने एक अनोखी चुनौती है। वह अमृतपाल सिंह को रिहा नहीं कर सकती, क्योंकि नेशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत उनकी हिरासत राष्ट्रीय सुरक्षा के बड़े ढांचे का हिस्सा है। फिर भी, उनकी कैद को लेकर होने वाला हर विरोध प्रदर्शन भगवंत मान सरकार के लिए एक राजनीतिक परीक्षा बन जाता है क्योंकि सरकार ही राज्य का चेहरा होती है। कानूनी ढांचा केंद्र के नियंत्रण में होता है, जबकि राजनीतिक नतीजों का सामना राज्य को करना पड़ता है। 'वारिस पंजाब दे' के लिए भी रणनीति साफ है। अमृतपाल सिंह को पूरे पंजाब में प्रचार करने की जरूरत नहीं है, अगर उनके नाम पर ही पूरे पंजाब में प्रचार किया जा सके। डिब्रूगढ़ जेल में बंद रहते हुए खडूर साहिब से उनकी जीत ने साबित कर दिया कि शारीरिक रूप से मौजूद न होना अब राजनीतिक अहमियत के लिए कोई बाधा नहीं है। उनकी रिहाई की मांग करने वाला हर मार्च उन्हें सार्वजनिक चर्चा के केंद्र में बनाए रखता है, जबकि उन्हें एक भी रैली को संबोधित करने की जरूरत नहीं पड़ती। इसके असर एक संगठन से कहीं ज्यादा हैं। पंजाब का पारंपरिक राजनीतिक परिदृश्य तेजी से बिखर रहा है। शिरोमणि अकाली दल अपनी खोई हुई जमीन तलाश रहा है, कांग्रेस नेतृत्व और रणनीति को लेकर बंटी हुई है, जबकि बीजेपी ऐसे राज्य में विस्तार करने की कोशिश कर रही है जहाँ उसका ग्रामीण आधार अभी भी मजबूत नहीं है। इस बिखरे हुए राजनीतिक माहौल में 'वारिस पंजाब दे' का आगमन होता है, जो पंथिक भावनाओं को एकजुट करने और सिख पहचान व बंदियों के मुद्दों पर मुख्य आवाज बनने की कोशिश कर रहा है। AAP के लिए, यह 2027 से पहले शायद सबसे मुश्किल चुनावी संतुलन बनाने की चुनौती है। उसे खुद को शासन, नशीली दवाओं के खिलाफ कार्रवाई, निवेश और विकास की पार्टी के तौर पर पेश करते रहना होगा, और साथ ही उन भावनात्मक रूप से जुड़े पंथिक मुद्दों का भी जवाब देना होगा जिन्हें सिर्फ प्रशासनिक उपायों से हल नहीं किया जा सकता। प्रदर्शनकारियों के साथ हर टकराव से मतदाताओं के एक वर्ग के दूर होने का खतरा रहता है; किसी भी तरह के समझौते से दूसरी तरफ से आलोचना का खतरा रहता है। दिखने वाली चीजें भी उतनी ही अहम होती हैं। बैरिकेड्स, वॉटर कैनन और हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों की तस्वीरें अक्सर उन वजहों से ज्यादा समय तक याद रहती हैं, जिनकी वजह से उन्हें तैनात किया गया था। वे चुनाव प्रचार का हिस्सा बन जाती हैं। वे सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। वे ऐसी बातें या नैरेटिव बनाती हैं जिन्हें विपक्षी पार्टियां चुनाव के दौरान बार-बार उठाती हैं। आज की राजनीति विजुअल्स या तस्वीरों पर टिकी है, और बुधवार को ऐसी बहुत सी तस्वीरें सामने आईं। इसलिए, 2027 का चुनाव दो अलग-अलग नैरेटिव के बीच हो सकता है। अअढ गवर्नेंस, कल्याणकारी योजनाओं और अपने कामकाज के रिकॉर्ड के आधार पर वोट मांगेगी। 'वारिस पंजाब दे' और दूसरे पंथिक संगठन चुनाव को पहचान, नागरिक स्वतंत्रता और सिख नेताओं के साथ बर्ताव के मुद्दे पर केंद्रित करने की कोशिश करेंगे। कांग्रेस और अकाली दल इन दोनों ध्रुवों के बीच कहीं अपनी जगह बनाने की कोशिश करेंगे। बुधवार का मार्च सिर्फ. एक और विरोध प्रदर्शन नहीं था। यह प्रदर्शन के रूप में किया गया चुनाव प्रचार का ही एक शुरूआती कार्यक्रम था।

# राहुल गांधी की राजनीति में शब्दों की सीमा और आरोपों की जिम्मेदारी

**प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितता, प्रश्नपत्र लीक होने की शिकायतें और परीक्षा प्रक्रिया पर उठते सवाल युवाओं के भविष्य से सीधे जुड़े हुए हैं। ऐसे मुद्दे पर संसद में सरकार से जवाब मांगना विपक्ष का अधिकार ही नहीं बल्कि लोकतांत्रिक जिम्मेदारी भी है। राहुल गांधी ने इसी संदर्भ में परीक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरी प्रक्रिया में निजी कंपनियों की भूमिका बढ़ रही है और परीक्षा प्रणाली विद्यार्थियों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। उन्होंने पेपर लीक के लिए बड़ी रकम के लेन-देन का भी आरोप लगाया और शिक्षा मंत्रालय की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए।**

कांतिलाल मांडोत

भारतीय राजनीति में राहुल गांधी का सफर लगातार बदलाव के दौर से गुजरता दिखाई देता है। कभी पारिवारिक विरासत के सहारे राजनीति में आए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान नेता प्रतिपक्ष अब स्वयं अपनी राजनीतिक पहचान बनाने की कोशिश करते नजर आते हैं। उत्तर प्रदेश के अमेठी से लेकर रायबरेली और हिंदी पट्टी के दूसरे हिस्सों तक उनकी सक्रियता यह संकेत देती रही है कि वे कांग्रेस की पुरानी जमीन को फिर से मजबूत करना चाहते हैं। लेकिन राजनीतिक संघर्ष केवल यात्राओं, रोड शो और जनता से संवाद तक सीमित नहीं होता। संसद के भीतर इस्तेमाल किए गए शब्द और लगाए गए आरोप भी किसी नेता की राजनीतिक छवि को उतना ही प्रभावित करते हैं। राहुल गांधी के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती यही दिखाई देती है कि वे अपने राजनीतिक आक्रामक तेवर और संसदीय मयार्दा के बीच संतुलन कैसे स्थापित करते हैं। राहुल गांधी की राजनीति की सबसे बड़ी विशेषता उनकी स्वतःस्फूर्तता मानी जाती है। वे अक्सर तैयार भाषण से हटकर अपने मन की बात कह देते हैं। यही अंदाज कभी उन्हें जनता से जोड़ता है तो कभी विवादों में भी ले जाता है। संसद में पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था पर चर्चा के दौरान उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए कुछ शब्दों को लेकर सत्ता पक्ष ने जिस तरह आपत्ति जताई, उसने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया कि विपक्ष के नेता को सरकार पर हमला करते समय भाषा की सीमा कितनी सावधानी से तय करनी चाहिए। पेपर लीक का मुद्दा निश्चित रूप से देश के लाखों छात्रों

और उनके परिवारों से जुड़ा गंभीर विषय है। प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितता, प्रश्नपत्र लीक होने की शिकायतें और परीक्षा प्रक्रिया पर उठते सवाल युवाओं के भविष्य से सीधे जुड़े हुए हैं। ऐसे मुद्दे पर संसद में सरकार से जवाब मांगना विपक्ष का अधिकार ही नहीं बल्कि लोकतांत्रिक जिम्मेदारी भी है। राहुल गांधी ने इसी संदर्भ में परीक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरी प्रक्रिया में निजी कंपनियों की भूमिका बढ़ रही है और परीक्षा प्रणाली विद्यार्थियों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। उन्होंने पेपर लीक के लिए बड़ी रकम के लेन-देन का भी आरोप लगाया और शिक्षा मंत्रालय की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए।

लेकिन गंभीर विषय उठाने और गंभीर आरोप लगाने के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर होता है। आरोप यदि तथ्य और प्रमाण के साथ लगाए जाएं तो वे सरकार को जवाब देने के लिए मजबूर कर सकते हैं। लेकिन वही आरोप जब राजनीतिक भाषा और व्यक्तिगत टिप्पणियों के साथ सामने आते हैं तो मूल मुद्दा पीछे छूट सकता है। संसद में राहुल गांधी के बयान के दौरान यही स्थिति देखने को मिली। उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए 'इडियट' जैसे शब्दों पर सत्ता पक्ष ने आपत्ति जताई। संसदीय कार्य मंत्री ने इसे असंसदीय बताते हुए कार्यवाही से हटाने की मांग की और लोकसभा अध्यक्ष ने भी सदन की मयार्दा बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

यहां सवाल केवल एक शब्द का नहीं है। सवाल यह है कि क्या संसद में राजनीतिक असहमति व्यक्त करने के लिए ऐसी भाषा आवश्यक है। लोकतंत्र में तीखी आलोचना की पूरी गुंजाइश है। सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए जा सकते हैं। मंत्री की कार्यशैली पर सवाल किया जा सकता है। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सहित किसी भी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से जवाब मांगा जा सकता है। लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणी और अपमानजनक शब्द लोकतांत्रिक बहस को कमजोर ही करते हैं। राहुल गांधी के लिए यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वे अब केवल कांग्रेस के एक सामान्य सांसद नहीं हैं।

वे लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं। इस पद के साथ राजनीतिक अधिकारों के साथ एक अतिरिक्त जिम्मेदारी भी जुड़ी है। देश के करोड़ों लोग संसद की कार्यवाही देखते हैं और विपक्ष के नेता की बात को सामान्य राजनीतिक बयान से अधिक गंभीरता से लिया जाता है। इसलिए राहुल गांधी की भाषा का प्रभाव भी व्यापक होता है।

# भारत में बड़ी संख्या में इंजीनियर, प्रोफेशनल और ग्रेजुएट तैयार होने व रोजगार उपलब्धि में भारी गैप

**रोजगार, शिक्षा और प्रशासन की बड़ी नई चुनौती -समग्र व्यापक विश्लेषण**

**भारत@2047 के लक्ष्य के लिए युवाओं के लिए शासन से आगे बढ़कर युवाओं के साथ शासन की अवधारणा अपनानी होगी**

**परीक्षा-पेपर लीक आंदोलन से कौशल-अंतर, उद्योग- अनुकूल शिक्षा और युवा, गतिशील शासन व्यवस्था तक -क्या भारत में प्रशासन की नई पीढ़ी का आरंभ हो रहा है?**

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर वर्ष 2026 में भारत एक ऐसे ऐतिहासिक परिवर्तनकाल से गुजर रहा है, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, डिजिटल अर्थव्यवस्था, साइबर सुरक्षा, हरित प्रौद्योगिकी और डेटा- आधारित शासन ने शिक्षा, रोजगार, उद्योग तथा प्रशासन की पारंपरिक संरचनाओं को तेजी से बदलना शुरू कर दिया है। आज देश और विश्व में बड़ी संख्या में इंजीनियर, वकील, डॉक्टर, प्रबंधन विशेषज्ञ, तकनीकी पेशेवर तथा विभिन्न विषयों के स्नातक तैयार हो रहे हैं, लेकिन मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि डिग्री प्राप्त करने और रोजगार के लिए वास्तव में सक्षम बनने के बीच एक गंभीर अंतर दिखाई देता है। अनेक युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप व्यावहारिक कौशल, तकनीकी दक्षता, समस्या- समाधान क्षमता, संवाद- कौशल टीमवर्क, डिजिटल समझ तथा बदलती तकनीक के साथ स्वयं को निरंतर अद्यतन करने की क्षमता में पीछे रह जाते हैं। दूसरी ओर उद्योग जगत को प्रशिक्षित और कार्य के लिए तैयार युवा नहीं मिलते। यही स्थिति शिक्षा और रोजगार के बीच नहीं, बल्कि डिग्री और दक्षता, ज्ञान और प्रयोग, युवा आकांक्षा और संस्थागत क्षमता तथा सरकारी नीति और जमीनी परिणाम के बीच मौजूद व्यापक अंतर को दशार्ती है।

इसी पृष्ठभूमि में 28 जुलाई 2026 को भारतीय पीएम द्वारा केंद्र सरकार के सचिवों के साथ दूसरी उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता विशेष महत्व रखती है। बैठक में वित्त एवं अर्थव्यवस्था, वाणिज्य एवं उद्योग तथा प्रौद्योगिकी से जुड़े मंत्रालयों और विभागों की भविष्य की कार्ययोजना पर विचार किया गया। प्रधानमंत्री ने सरकारी व्यवस्था में विभागीय स्तर पर मौजूद क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर बाधाओं को कम करने, बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा शासन को अधिक युवा, गतिशील नवाचारी और भविष्य के अनुरूप बनाने पर बल दिया। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सरकार को बदलती चुनौतियों और नए अवसरों के अनुसार निरंतर स्वयं को विकसित करना चाहिए। यह संदेश केवल प्रशासनिक सुधार का सामान्य विचार नहीं है, बल्कि तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था और युवा अपेक्षाओं के बीच शासन की नई भूमिका का संकेत है।

# चिंतन-मनन : प्रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

# वैज्ञानिक परीक्षणों के बाद ही लागू किया गया ई20 पेट्रोल, पुराने वाहनों पर भी नहीं मिला कोई बड़ा नकारात्मक असर: सरकार

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई

केंद्र सरकार ने गुरुवार को संसद में स्पष्ट किया कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) को देश भर में चरणबद्ध तरीके से लागू करने से पहले व्यापक वैज्ञानिक परीक्षण, फील्ड ट्रायल और सभी संबंधित पक्षों से विस्तृत परामर्श किया गया था। सरकार का कहना है कि निर्धारित मानकों के तहत ई20 पेट्रोल पुराने और नए दोनों प्रकार के वाहनों के लिए सुरक्षित है। लोकसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को नीति आयोग, ऑटोमोबाइल कंपनियों, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी), ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम (आईआईपी) तथा अन्य तकनीकी संस्थानों के साथ वैज्ञानिक और परामर्श आधारित प्रक्रिया के बाद लागू किया गया।

मंत्री ने बताया कि ई20 ईंधन लागू करने से पहले एआरएआई, एसआईएएम, इंडियन ऑयल (आईओसीएल), आईआईपी और

वाहन निमार्ताओं ने व्यापक प्रयोगशाला परीक्षण और वास्तविक परिस्थितियों में फील्ड ट्रायल किए।

इन परीक्षणों में इंजन की मजबूती, ड्राइविंग प्रदर्शन, स्टार्ट होने की क्षमता, जंग-रोधी क्षमता, विभिन्न पुर्जों की अनुकूलता, उत्सर्जन और ईंधन दक्षता जैसे सभी महत्वपूर्ण पहलुओं की जांच की गई। सरकार के अनुसार, इन सभी अध्ययनों में यह पुष्टि हुई कि निर्धारित मानकों के तहत ई20 पेट्रोल का इस्तेमाल पूरी तरह सुरक्षित है।

सरकार ने कहा कि परीक्षणों में यह भी पाया गया कि पुराने वाहनों के प्रदर्शन में कोई उल्लेखनीय कमी नहीं आई और न ही इंजन या अन्य पुर्जों में असामान्य घिसावट देखने को मिली।

व्यापक लैब परीक्षणों, फील्ड ट्रायल और वास्तविक उपयोग के अनुभवों में भी ई20 ईंधन के कारण वाहन प्रदर्शन पर किसी बड़े नकारात्मक प्रभाव का कोई प्रमाण नहीं मिला। सरकार ने बताया कि भारत में हर दिन करीब 8 करोड़ वाहन पेट्रोल पंपों पर ईंधन भरवाते हैं, जिनमें लगभग 80 प्रतिशत पेट्रोल वाहन हैं। देश में पिछले साढ़े तीन वर्षों से ई15+ मिश्रित पेट्रोल और करीब ढाई वर्षों से ई19-ई20 पेट्रोल का व्यापक उपयोग हो रहा है।

इस दौरान 20 करोड़ से अधिक दोपहिया वाहन और 3 करोड़ से ज्यादा पेट्रोल कारें इन मिश्रित ईंधनों पर चल चुकी हैं, लेकिन एथेनॉल मिश्रण के कारण इंजन खराब होने या बड़े पैमाने पर वाहन खराब होने का कोई सत्यापित मामला सामने नहीं आया।

## महिंद्रा जल्द ही लांच करेगी अपडेटेड वर्जन और नई एसयूवी

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई

अगले दो सालों में महिंद्रा कंपनी अपनी बाजार पकड़ मजबूत करने के लिए कई पॉपुलर मॉडल्स के अपडेटेड वर्जन और बिल्कुल नई एसयूवी लॉन्च करने जा रही है। यह मॉडल्स पेट्रोल-डीजल के साथ-साथ इलेक्ट्रिक सेगमेंट में भी उसके विस्तार का हिस्सा होंगे। सबसे पहले, महिंद्रा अपनी लोकप्रिय स्कॉर्पियो-एन का अपडेटेड मॉडल अगले कुछ महीनों में पेश कर सकती है। इसमें नई एलईडी लाइटिंग, अलॉय व्हील्स, बड़ी टचस्क्रीन, बेहतर कनेक्टेड फीचर्स और एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम जैसे बदलाव देखने को मिलेंगे। इसी के साथ, 3-डोर थार को भी बड़ा इंटीरियर अपडेट मिलेगा, जिसमें एक बड़ी टचस्क्रीन और नए फीचर्स शामिल किए जाएंगे।

# 'विकसित भारत 2047' भारत के लक्ष्य की ओर बड़ा कदम, 2030 तक 500 अरब डॉलर का इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उत्पादन का लक्ष्य

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई

भारत सरकार ने 'विकसित भारत 2047' विजन के तहत वर्ष 2030 तक इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उत्पादन को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। सरकार का मानना है कि इससे देश वैश्विक विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) केंद्र के रूप में उभरेगा और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईजीसीसी) डायलॉग 2026 को संबोधित करते हुए उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने कहा कि सरकार ने 'विकसित भारत 2047' के विजन को अलग-अलग क्षेत्रों के लिए ठोस कार्ययोजना में बदल दिया है, जिसके तहत वर्ष 2030 तक हासिल किए जाने

वाले स्पष्ट लक्ष्य और मील के पत्थर निर्धारित किए गए हैं।

भाटिया ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत का लक्ष्य मौजूदा करीब 330 अरब डॉलर के वार्षिक उत्पादन को बढ़ाकर 2030 तक 500 अरब डॉलर करना है। इसके बाद 2047 तक इसे 5.3 ट्रिलियन डॉलर से 8 ट्रिलियन डॉलर के स्तर तक ले जाने की योजना है। उन्होंने कहा कि इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों से देश में बड़े पैमाने पर विनिर्माण के नए अवसर पैदा होंगे और भारत वैश्विक सप्लाई चेन में अपनी स्थिति और मजबूत करेगा।

डीपीआईआईटी सचिव ने कहा कि भारत आज भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। पिछले एक दशक में सरकार ने लगातार सुधारों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया है, जिसका सकारात्मक असर देश की आर्थिक प्रगति पर दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों के लिए गठित उच्च स्तरीय समितियों ने सुधारों की गति को और तेज किया है। भाटिया ने कहा कि कैबिनेट सचिवालय में स्थापित डी-रेगुलेशन सेल राज्यों के साथ मिलकर नियमों को सरल बनाने और कारोबार करने में आसानी (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) बढ़ाने पर काम कर रहा है, जिसका उद्देश्य उद्योगों के लिए अनावश्यक प्रक्रियाओं को कम करना और निवेश को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि भारत और जर्मनी के बीच 25 वर्षों से अधिक पुरानी रणनीतिक साझेदारी और 75 वर्षों के राजनयिक संबंध हैं, जबकि दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों का इतिहास एक सदी से भी अधिक पुराना है। भाटिया के अनुसार, कई जर्मन कंपनियों ने आजादी से पहले ही भारत में अपना कारोबार शुरू कर दिया था। हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों, निवेश और औद्योगिक सहयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईजीसीसी) के 2,500 से अधिक सदस्य भारत और जर्मनी के मजबूत व्यावसायिक संबंधों का प्रमाण हैं। यह मंच भविष्य में दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश सहयोग को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

## संक्षिप्त खबरें

### फेड ने ब्याज दरें अपरिवर्तित रखीं, महंगाई पर कड़ा रुख जारी

दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने अपनी नवीनतम मौद्रिक नीति बैठक में प्रमुख ब्याज दरों को 3.50 फीसदी से 3.75 फीसदी के दायरे में अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया है। यह फैसला बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहा, लेकिन नीति निर्धारण समिति के तीन सदस्यों ने दर में 0.25 फीसदी की वृद्धि का समर्थन कर आंतरिक मतभेद को उजागर किया। फेड ने उच्च महंगाई पर कड़ी नजर रखने की बात दोहराई है। क्लीवलैंड, डलास और मिनियापोलिस फेडरल रिजर्व बैंकों के अध्यक्षों ने मौजूदा आर्थिक स्थितियों के मद्देनजर दरों में वृद्धि को उचित बताया। उन्होंने अप्रैल की बैठक में भी ब्याज दरों में नरमी के संकेतों का विरोध किया था। नए फेड चेयर केविन वॉर्श के नेतृत्व में फेड ने बयान दिया कि महंगाई दर अभी भी उसके 2% के दीर्घकालिक लक्ष्य से ऊपर है। केंद्रीय बैंक ने भविष्य के फैसलों के लिए आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर रहने का संकेत दिया, और महंगाई को लेकर अपने सख्त रुख में कोई नरमी नहीं दिखाई।

### एथनॉल के डर से हाई-ऑक्टेन पेट्रोल की बिक्री दोगुनी से ज्यादा बढ़ी

दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई। एथनॉल मिश्रित पेट्रोल से गाड़ियों को संभावित नुकसान पहुंचने की बढ़ती चिंताओं के बीच हाल के महीनों में एथनॉल-मुक्त 100-ऑक्टेन प्रीमियम पेट्रोल की बिक्री दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। यह उछाल जुलाई माह में खास तौर पर ज्यादा देखा गया, जब पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण को लेकर विवाद अपने चरम पर था, जिसने उपभोक्ताओं की चिंताएं बढ़ा दीं। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल मार्केटिंग कंपनियां इंडियन ऑयल (एक्सपी100), भारत पेट्रोलियम (स्पीड100) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (पावर100) ब्रांड के तहत यह उच्च-ऑक्टेन ईंधन बेचती हैं। यह विशेष रूप से सुपरकार, लक्जरी सिडैन और सुपरबाइक जैसी उच्च-प्रदर्शन वाली गाड़ियों के लिए डिजाइन किया गया है। हालांकि, देश की कुल पेट्रोल बिक्री में इसकी हिस्सेदारी महज 0.1 प्रतिशत है, लेकिन सोशल मीडिया पर एथनॉल मिश्रित पेट्रोल से वाहनों को नुकसान पहुंचने के दावों ने इसकी मांग में अचानक वृद्धि कर दी है। सूत्रों के अनुसार एथनॉल-मुक्त पेट्रोल की इस बढ़ी हुई मांग का सबसे ज्यादा असर दिल्ली में देखा गया है।

# ऑटोमोबाइल उद्योग ने अपनी रिटेल बिक्री में दर्ज की शानदार वृद्धि

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई।

जुलाई (1-23 जुलाई) में सालाना आधार पर भारत के ऑटोमोबाइल उद्योग ने अपनी रिटेल बिक्री में 28.6 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि में सभी सेगमेंट में मजबूत मांग देखी गई, जो उद्योग के लिए एक सकारात्मक संकेत है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दोपहिया वाहनों की बिक्री में सालाना आधार पर 31 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वहीं, एसयूवी और पैसेंजर कार सेगमेंट में मजबूत मांग के चलते यात्री वाहनों की बिक्री 20.6 प्रतिशत बढ़ी। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 27.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि तीनपहिया वाहनों ने 18.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी। ट्रैक्टर सेगमेंट में भी 36.8 प्रतिशत की सबसे मजबूत सालाना बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाती है। रिपोर्ट में इस शानदार वृद्धि के पीछे कई प्रमुख कारणों का उल्लेख किया गया है, जिनमें जुलाई 2025 का कम बेस, उपभोक्ता भावना में स्थिरता, हाल ही में लॉन्च किए गए नए मॉडल, इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाया जाना, ब्याज दरों में नरमी और जीएसटी कटौती के बाद बढ़ी हुई खरीदने की क्षमता शामिल है। आने वाले महीनों के लिए भी ऑटो उद्योग का दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। इसके पीछे मजबूत मांग, अगस्त-सितंबर 2026 का अपेक्षाकृत कम बेस, और वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के दूसरे हिस्से में त्योहारों के कारण मांग में आने वाली तेजी जैसे कारक प्रमुख हैं।

# एडीबी ने भारत में शहरी सुधार और इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए मंजूर किया एक अरब डॉलर का लोन

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई।

एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) ने भारत सरकार के शहरी सुधारों के एजेंडा के समर्थन के लिए एक अरब डॉलर का लोन मंजूर किया है। इसका उद्देश्य शहरों में आर्थिक विकास, इनोवेशन और जीवन स्तर में सुधार करना है। एडीबी के अनुसार, 'अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन एंड इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम' केंद्र के प्रमुख 'अर्बन चैलेंज फंड' (यूसीएफ) और उससे जुड़े सुधारों को लागू करने में मदद करेगा। इसका मकसद शहरी संस्थाओं को मजबूत करना, इंटीग्रेटेड इकोनॉमिक और स्पेशल प्लानिंग को बेहतर

बनाना और शहरी स्थानीय निकायों की वित्तीय क्षमता को बढ़ाना है। एडीबी ने आगे कहा कि यह प्रोग्राम मजबूत शहरी पुनर्निर्माण को बढ़ावा देगा, जिसमें यातायात-केंद्रित विकास और सार्वजनिक जगहों का बेहतर प्रबंधन शामिल है। साथ ही, यह म्युनिसिपल बॉन्ड और बाजार-आधारित दूसरे फाइनेंसिंग तरीकों के जरिए कमर्शियल कैपिटल तक पहुंच बढ़ाने में भी मदद करेगा।

यह पारदर्शिता, कार्यकुशलता और सबूतों पर आधारित फैसले लेने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए डिजिटल सिस्टम को बढ़ावा देकर शहरी प्रशासन को भी आधुनिक बनाएगा। एडीबी आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय का लंबे समय से सहयोगी रहा है। 2024 से, इसने शहरी विकास, शहर के पुनर्निर्माण, और जलापूर्ति व साफ-सफाई से जुड़े विश्लेषणात्मक कार्यों में सहयोग किया है,

## सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स का मुनाफा दूसरी तिमाही में 1,300 प्रतिशत बढ़ा, एआई चिप मांग से हुआ लाभ

» सोल, यूटर्न/ 30 जुलाई।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने गुरुवार को कहा कि 2026 की दूसरी तिमाही में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 1,300 प्रतिशत बढ़ गया है। इसकी वजह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में इस्तेमाल होने वाले सेमीकंडक्टर की मांग में इजाफा होना है। कंपनी की ओर से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया कि अप्रैल-जून अवधि में उसका मुनाफा 1,299.9 प्रतिशत बढ़कर 71.62 ट्रिलियन वॉन (49.6 अरब डॉलर) हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 5.11 ट्रिलियन डॉलर वॉन था। इस दौरान, ऑपरेटिंग इनकम सालाना आधार पर 1,813.8 प्रतिशत बढ़कर 89.49 ट्रिलियन वॉन हो गई है, जबकि बिक्री सालाना आधार पर 130 प्रतिशत बढ़कर 171.49 ट्रिलियन वॉन हो गई है। दुनिया की सबसे बड़ी मेमोरी चिप निमार्ता कंपनी ने लगातार तीसरी तिमाही में रिकॉर्ड तिमाही आय और परिचालन लाभ दर्ज किया। कंपनी के नतीजे बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहे। समाचार एजेंसी योनहाप की वित्तीय डेटा इकाई योनहाप इन्फोमैक्स के सर्वे के अनुसार, विश्लेषकों ने औसतन 71.21 ट्रिलियन वॉन के शुद्ध लाभ का अनुमान लगाया था। सामान्य और प्रेफर्ड दोनों तरह के शेयरों के लिए प्रति शेयर आय (ईपीएस) 10,849 वॉन रही, जो पिछली तिमाही की तुलना में 52 प्रतिशत अधिक है। यह ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनियों में सबसे ऊंचे स्तरों में से एक है।

## फटाफट खबरें

### ट्रक की टक्कर से दिल्ली के स्कूटी सवार युवक की मौत

**फरीदाबाद, यूटर्न/ 30 जुलाई ।** सेक्टर-31 थाना क्षेत्र में मथुरा मार्ग पर सेक्टर-28 मेट्रो स्टेशन के सामने सड़क हादसे में दिल्ली निवासी 22 वर्षीय सिद्धार्थ सूरी की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की मां रजनी सूरी की शिकायत पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच शुरू कर दी गई है। ट्रक चालक की पहचान कर ली गई है और उसकी तलाश जारी है। दिल्ली के प्रहलादपुर निवासी सिद्धार्थ सूरी 26 जुलाई की शाम करीब चार बजे स्कूटी से काम के सिलसिले में फरीदाबाद आए थे। रात करीब 12 बजे उसके साथी साहिल ने परिजनों को फोन कर बताया कि सेक्टर-28 मेट्रो स्टेशन के सामने दिल्ली की ओर जाने वाले मथुरा मार्ग पर सड़क हादसे में सिद्धार्थ घायल हो गया है। सूचना मिलने के बाद परिजन मौके पर पहुंचे तो सिद्धार्थ गंभीर रूप से घायल मिला। राहगीरों और पुलिस की मदद से उसे बादशाह खान नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे में साहिल भी घायल हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### होमगार्ड की नौकरी दिलाने का भरोसा देकर 2.10 लाख ठगे

**फरीदाबाद, यूटर्न/ 30 जुलाई ।** सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 2.10 लाख रुपये ठग लिए गए। आरोपी ने टेलीग्राम ग्रुप के माध्यम से संपर्क कर पीड़ित को भरोसा दिया था कि दो लाख रुपये देने पर उसकी भाई की होमगार्ड की नौकरी लग जाएगी। आरोपियों ने भरोसा दिलाया कि चार-पांच दिन में चयन सूची जारी हो जाएगी, जिसमें उसके भाई का नाम होगा। नौकरी नहीं लगने पर पीड़ित ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। बल्लभगढ़ के चांदावली गांव निवासी जसवीर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि जून में उसके मोबाइल नंबर को टेलीग्राम के एचआर जॉब्स ग्रुप में जोड़ा गया था। ग्रुप में नौकरी से संबंधित बातचीत चल रही थी। इसी दौरान कपिल नाम के व्यक्ति से संपर्क हुआ। आरोपी ने बताया कि वह हरियाणा सरकार की विभिन्न पदों पर नौकरी लगवा सकता है। जसवीर के अनुसार झांसे में आकर उसने आरोपी को भाई के आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पैन कार्ड, रिहायशी प्रमाण पत्र और शैक्षणिक दस्तावेज व्हाट्सएप के माध्यम से भेज दिए। इसके साथ ही आरोपी के बताए खातों में जसवीर ने दो लाख रुपये जमा किए। करीब 10 जुलाई तक इंतजार करने के बाद भी न तो नौकरी लगी और न ही नियुक्ति पत्र मिला। इसके बाद आरोपी ने 10 हजार रुपये और मांगे, जो उसने 22 जुलाई को यूपीआई के माध्यम से भेज दिए। इसके बाद भी नौकरी नहीं मिली। इसके बाद जसवीर ने साइबर अपराध हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई थी।

# ट्रेलर से निकले लोहे के भारी उपकरण ने ली हरिद्वार जा रहे राजस्थान के तीन श्रद्धालुओं की जान

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 30 जुलाई ।**

चौधरी चरण सिंह कांवड़ मार्ग पर मंगलवार रात एक लापरवाही ने राजस्थान से हरिद्वार जा रहे तीन श्रद्धालुओं की जान ले ली। निवाड़ी थाना क्षेत्र में सौंदा पुल के पास सामने से आ रहे ट्रेलर से बाहर निकला लोहे का भारी उपकरण पिकअप में सो रहे श्रद्धालुओं के सिर से टकरा गया।

हादसे में अलवर (राजस्थान) के तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि महिला समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे ने कांवड़ यात्रा के दौरान मालवाहक वाहनों में श्रद्धालुओं के सफर और सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्रेलर के चालक व क्लीनर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा के अनुसार, अलवर जिले के तिजारा थाना क्षेत्र के कलगांव निवासी महिपाल अपनी नई पिकअप में 16 श्रद्धालुओं को लेकर मंगलवार शाम करीब पांच

बजे गंगा स्नान के लिए हरिद्वार निकले थे। पिकअप में रस्सियों और तिरपाल से अस्थायी मचान बनाया गया था, जिस पर कई श्रद्धालु बैठे और सो रहे थे। रात करीब सवा 12 बजे पिकअप निवाड़ी क्षेत्र में सौंदा पुल के पास पहुंची, तभी सामने से आ रहे 16 टायरा ट्रेलर में रखी मशीनरी का बाहर निकला लोहे का हिस्सा पिकअप की साइड से टकरा गया। पिकअप में अस्थायी मचान पर सो रहे श्रद्धालु इसकी चपेट में आ गए।

हादसे में सात श्रद्धालु घायल हो गए। पुलिस ने सभी को संजयनगर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने सरजीत (30), रतनलाल (32) और रमेश (32) निवासी अलवर को मृत घोषित कर दिया। तीनों के सिर पर गंभीर चोटें आई थीं। एक अन्य गंभीर घायल गांव माजरी गुर्जर (अलवर) निवासी रोहताश को प्राथमिक उपचार के बाद गुरुग्राम रेफर कर दिया गया। तीन अन्य घायलों आशा देवी, हरमीत और अनिल की हालत खतरे से बाहर है।

### हादसे के बाद भाग गया चालक, पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा

एसीपी ने बताया कि हादसे के बाद ट्रेलर चालक वाहन लेकर भाग गया था। पुलिस ने घेराबंदी कर मसूरी थाना क्षेत्र से भीलवाड़ा (राजस्थान) निवासी चालक छोटूलाल व क्लीनर पिंटू को वाहन समेत पकड़ लिया। मृतकों के शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिए गए। पूछताछ में चालक ने बताया कि वह मुरादनगर गंगनहर क्षेत्र से चीनी मिल की मशीनरी लेकर महाराष्ट्र के कोलार जिले जा रहा था।

### प्रतिबंध के बावजूद मालवाहक वाहन में सफर, उठे सवाल

प्रदेश में व्यावसायिक वाहनों में यात्रियों को बैठाने पर रोक है। इसके बावजूद श्रद्धालु मालवाहक पिकअप में सफर कर रहे थे। यह स्थिति तब है, जब कांवड़ मार्ग पर बुधवार सुबह से डायवर्जन लागू होना था और पुलिस इसकी तैयारियों में जुटी थी। इसके बावजूद वाहन को कहीं रोका नहीं गया। कांवड़ यात्रा को देखते हुए पुलिस-प्रशासन मार्गों पर सुरक्षा और निगरानी का दावा कर रहा है, लेकिन इस हादसे ने व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इससे पहले 23 जून को भी श्रद्धालुओं से भरी पिकअप आगे चल रही बस से टकरा गई थी..

## एक नाम होने का फायदा उठाकर पॉलिसी से हड़पे साढ़े तीन लाख रुपये

**साहिबाबाद, यूटर्न/ 30 जुलाई ।** एक बीमा कंपनी की याचिका पर कोर्ट के आदेश के बाद साहिबाबाद थाने में धोखाधड़ी से करीब चार

लाख रुपये लोन लेने के आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपी ने एक समान नाम होने का फायदा उठाकर बीमा पॉलिसी पर लोन लेकर ठगी की। किस्त जमा न होने पर ठगी का खुलासा हुआ। राजेंद्र नगर स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की शाखा में तैनात वरिष्ठ शाखा प्रबंधक ने इस मामले में कोर्ट में याचिका दायर की थी।

प्रार्थना पत्र के मुताबिक दिल्ली के केशवपुरम निवासी दिनेश शर्मा पुत्र बाल कृष्ण शर्मा ने वर्ष 2004 में करोलबाग की एलआईसी शाखा से पांच लाख रुपये की जीवन आनंद पॉलिसी ली थी। उन्होंने आरोप लगाया कि मैनपुरी यूपी निवासी दिनेश शर्मा ने एक समान नाम होने का फायदा उठाते हुए फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज तैयार कराए। मार्च 2018 में पॉलिसी को करोलबाग शाखा से राजेंद्रनगर शाखा में स्थानांतरित कराकर 3.92 लाख रुपये का लोन ले लिया। पॉलिसी पर लिए गए लोन की किस्त जमा नहीं हुई तो अप्रैल 2019 में वास्तविक पॉलिसीधारक को कंपनी ने नोटिस जारी किया। नोटिस मिलने के बाद वास्तविक पॉलिसी धारक ने बीमा लोकपाल से शिकायत की। शिकायत पर जांच के बाद जब जांच हुई तो पॉलिसी स्थानांतरण के लिए दिए गए सभी दस्तावेज और पते फर्जी पाए गए।

## दिल्ली में आज से 11 अगस्त तक विशेष यातायात व्यवस्था श्रद्धालुओं के लिए कदम-कदम पर इंतजाम

» **दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई ।**

दिल्ली में सावन माह की कांवड़ यात्रा को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने 30 जुलाई से 11 अगस्त तक विशेष ट्रैफिक मैनेजमेंट प्लान लागू किया है। लाखों कांवड़ियों के राजधानी से गुजरने की संभावना को देखते हुए यह व्यवस्था आम लोगों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की गई है। यात्रा के दौरान 308 ट्रैफिक कर्मियों की तैनाती की गई है और 306 ट्रैफिक रेगुलेशन प्वॉइंट बनाए गए हैं। इसके अलावा राजधानी में स्थापित 1,828 कांवड़ शिविरों के आसपास यातायात व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

ट्रैफिक पुलिस के अनुसार 9 से 11 अगस्त के बीच कांवड़ियों की संख्या सबसे अधिक रहने की संभावना है। इसे देखते हुए 9 अगस्त सुबह 7 बजे से कई प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन और प्रतिबंध लागू होंगे। सबसे अधिक असर जीटी रोड पर रहेगा। अप्सरा बॉर्डर से यमुना ब्रिज तक का मार्ग 9 अगस्त सुबह 7 बजे से 12 अगस्त रात 8 बजे तक सामान्य वाहनों के लिए बंद रहेगा। कांवड़ियों के प्रवेश के लिए गाजीपुर, अप्सरा, भोपुरा, सोनिया विहार, लोनी, महाराजपुर और डीएलएफ बॉर्डर को प्रमुख मार्ग बनाया गया है। हरियाणा और राजस्थान की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग रूट निर्धारित किए गए हैं। यात्रा के दौरान जीटी रोड, वजीराबाद रोड, लोनी रोड, मथुरा रोड, रिंग रोड, पुस्ता रोड, आशाराम त्यागी मार्ग और जीटी करनाल रोड सहित कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित रहने की संभावना है। भारी वाहनों के लिए भी अलग डायवर्जन प्लान तैयार किया गया है। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से घर से निकलने से पहले ट्रैफिक अपडेट देखने, वैकल्पिक मार्ग अपनाने और अतिरिक्त समय लेकर यात्रा करने की अपील की है।

## बेटियों की शादी के लिए रखे जेवर चोरी

**फरीदाबाद, यूटर्न/ 30 जुलाई ।** बेटियों की शादी के लिए रखे सोने के जेवर चोरी हो गए। पल्ला थाना क्षेत्र के सेहतपुर स्थित सूर्या कॉलोनी में मंगलवार रात महिला अपने दोनों बेटियों के साथ मायके में जन्मदिन समारोह में गई थी। इसी दौरान चोरों ने मकान का ताला तोड़कर करीब पांच लाख रुपये के जेवर, लैपटॉप, मोबाइल फोन और नकदी चोरी कर ली। पीड़िता शहनाज ने पुलिस को बताया कि बुधवार सुबह करीब छह बजे घर लौटने पर मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। जांच करने पर पता चला कि अलमारी में रखे सोने के जेवर, लैपटॉप, मोबाइल फोन और नकदी गायब हैं। कॉलोनी निवासी दीपक ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में दो संदिग्ध युवक दिखाई दिए हैं। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि संदिग्धों की पहचान की जा रही है।

## बारिश में मकान का छज्जा गिरने से किरायेदार महिला की मौत

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 30 जुलाई**

डबुआ कॉलोनी के 27 फीट रोड स्थित गली नंबर-चार में मंगलवार को बारिश के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। एक मकान का छज्जा अचानक भरभराकर गिर गया। इसके साथ ही छज्जे पर खड़ी 28 वर्षीय महिला नीचे आ गिरी और मलबे की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने उन्हें बादशाह खान नागरिक अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उपचार के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान मूलरूप से बिहार के सारण जिला निवासी लाडली खातून (28) के रूप में हुई है। वह अपने पति कुसमा मोहम्मद और छह माह की बेटी के साथ डबुआ कॉलोनी में रमन भारद्वाज के मकान में किराये पर रहती थी। परिवार करीब दो महीने पहले ही रोजगार की तलाश में फरीदाबाद आया था। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह करीब 11 बजे क्षेत्र में तेज बारिश हो रही थी। इसी दौरान लाडली खातून कुछ समय के लिए मकान के छज्जे पर खड़ी थीं।

लगातार हो रही वर्षा के कारण छज्जा जर्जर होकर कमजोर हो चुका था, जो अचानक गिर गया। छज्जा गिरते ही लाडली भी नीचे आ गिरीं और उनके ऊपर भारी मलबा गिर गया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के निवासी और मृतका के पति कुसमा मोहम्मद बाहर आए।

स्थानीय निवासियों की सहायता से महिला को मलबे से बाहर निकाला गया और नागरिक अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन अत्यधिक चोटें आने के कारण कुछ ही समय में उनकी मौत हो गई। कुसमा मोहम्मद ने बताया कि घटना इतनी तेजी से हुई कि किसी को संभलने का अवसर ही नहीं मिला। दो माह पूर्व ही वे गांव से फरीदाबाद आए थे और मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे।

## दिल्ली के शाहबाद डेयरी में देर रात गोलियां चलीं, हिमांशु भाऊ गैंग के दो शूटर पकड़े

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई ।**

राजधानी दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से एक आरोपी कुख्यात हिमांशु भाऊ गिरोह का कथित सदस्य है।

पुलिस को आरोपियों के इलाके में होने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम ने घेराबंदी की। आरोपियों ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस दल पर गोलीबारी भी की। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आरोपियों को घेर लिया।

### मुठभेड़ में दो आरोपी गिरफ्तार

मुठभेड़ में दोनों आरोपियों को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार किए गए दूसरे आरोपी की पहचान एक नाबालिग के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से हथियार और कारतूस बरामद किए हैं। दोनों आरोपियों से आगे की पूछताछ की जा रही है। पुलिस टीम ने शाहबाद डेयरी क्षेत्र में संदिग्धों को रुकने का इशारा किया। आरोपियों ने पुलिस की चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने तुरंत पुलिस दल पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। कुछ देर चली इस मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को काबू कर लिया। गिरफ्तार आरोपी हिमांशु भाऊ गिरोह का कथित सदस्य बताया जा रहा है। यह गिरोह दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय है। गिरोह रंगदारी, हत्या और अन्य गंभीर अपराधों में शामिल रहा है। पुलिस अब इन आरोपियों से गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

# 'लॉक अप 2' में नेहल ने बढ़ाया आकांक्षा चमोला का हौसला, बोलीं-अपनी असली पर्सनालिटी दिखाओ

पूर्व बिग बॉस 19 की कंटेस्टेंट और मॉडल नेहल चुडासमा टीवी की दुनिया का जाना-पहचाना नाम हैं। बिग बॉस के घर में भी उन्होंने कई बार गलत समझे जाने और अकेले पड़ जाने का दर्द झेला था। शायद इसी वजह से जब वो 'लॉक अप 2' में आकांक्षा चमोला को सपोर्ट करने विजिटर बनकर पहुंचीं, तो उन्होंने सबसे पहले आकांक्षा की उसी उलझन को पकड़ा जो पिछले कई दिनों से दर्शकों को भी खटक रही थी।

'लॉक अप 2' में आकांक्षा चमोला पिछले कुछ समय से काफी शांत नजर आ रही थीं। शो में एंट्री के समय जितनी एनर्जी और कॉन्फिडेंस उनमें था, धीरे-धीरे वो गायब होता चला गया। दर्शकों को लग रहा था कि आकांक्षा गेम नहीं खेल रही हैं, बस कोने में बैठकर सब सह रही हैं। इसी बीच नेहल की एंट्री हुई और उन्होंने आते ही आकांक्षा से बातें की।

नेहल ने आकांक्षा से कहा कि उन्होंने गौरव खन्ना की सलाह को गलत तरीके से ले लिया है। उन्होंने कहा, ''मुझे पता है गौरव अच्छी नीयत से आया था, लेकिन मुझे लगता है आपने उसकी बातों के सिर्फ गलत हिस्से पकड़े और खुद को समेट लिया। आपको गलत समझा गया है। मैं खुद रियलिटी शो में कई महीनों तक गलत समझी गई थी, इसलिए ये फीलिंग मैं जानती हूं कि जब पूरी दुनिया आपको गलत समझे तो कैसा लगता है।'' नेहल ने आकांक्षा से कहा, ''अब आपको इस खेल से बाहर निकलना होगा और अपनी असली पर्सनालिटी दिखानी होगी। इस समय 'लॉक अप 2' जितने लोग देख रहे हैं, उसकी बड़ी वजह आकांक्षा के सीक्रेट्स हैं।'' जुलाई के पहले हफ्ते में आकांक्षा ने बताया था कि शादी से पहले वह बाइसेक्सुअल थीं। उनका कुछ लड़कियों के साथ रिलेशन रहा है, हालांकि उन्होंने साफ किया था कि वो रिलेशन में बहुत ज्यादा इंटीमेट नहीं थीं।

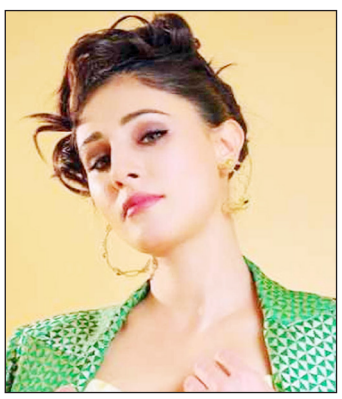

## जब आपको सही समय लगे, तभी अपनी बात रखें: सानवी तलवार

हाल ही में अभिनेत्री सानवी तलवार ने अपने जीवन के अनुभवों और सार्वजनिक मंच पर अपनी बात रखने की क्षमता में आए बदलाव पर खुलकर बात की। अपनी हॉरर-थ्रिलर फिल्म खामोश आहटें को लेकर चचाओं में रहने वाली अभिनेत्री ने बताया कि अब वे पहले के मुकाबले अपनी राय रखने में कहीं अधिक सहज महसूस करती हैं। सानवी ने कहा कि जब आपको सही समय लगे, तभी अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पहले वह केवल सीमित लोगों से बात करती थीं, लेकिन अब उन्हें समझ आया है कि जब कोई बात एक व्यक्ति से दूसरे तक पहुंचती है, तो उसका मूल अर्थ बदल सकता है। सानवी का मानना है कि आज वह खुलकर अपनी बात रखने में इसलिए सहज हैं, क्योंकि यह उनका अपना फैसला है और उन्हें अब इस बात की परवाह नहीं कि लोग उनके बारे में क्या सोचेंगे। उनके अनुसार, अगर उन्हें लगता है कि कोई बात सही है, तो उसके बारे में बोलना बेहद जरूरी है। दरअसल, सानवी तलवार ने एक पुराने इंटरव्यू के दौरान अभिनेता करण कुंद्रा पर आरोप लगाया था।

# कृति सेनन ने कभी नहीं सोचा था अभिनेत्री बनने के बारे में

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन अपनी खूबसूरती, दमदार अभिनय और विभिन्न किरदारों के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है। अभिनेत्री के इस सफर की शुरूआत किसी बड़े फिल्मी स्टूडियो से नहीं, बल्कि घर के एक साधारण फोटोशूट से हुई थी। उनकी बहन नूपुर सेनन ने जब कैमरे से कृति की कुछ तस्वीरें क्लिक कीं, तब शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि यही तस्वीरें आगे चलकर उनके बड़े सपनों की पहली सीढ़ी बनेंगी। कृति सेनन का जन्म 27 जुलाई 1990 को नई दिल्ली में हुआ था। उनके पिता राहुल सेनन एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं, जबकि उनकी मां गीता सेनन दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रह चुकी हैं। उन्होंने दिल्ली से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और उसके बाद नोएडा के एक इंस्टीट्यूट से बीटेक की डिग्री हासिल की। कॉलेज के दिनों तक कृति ने कभी अभिनेत्री बनने के बारे में नहीं सोचा था; वह पढ़ाई में हमेशा काफी अच्छी थीं। अपनी लंबी हाइट और आत्मविश्वास देखकर उनके दोस्तों ने उन्हें मॉडलिंग करने की सलाह दी। शुरूआत में कृति को यह बात अजीब लगी, क्योंकि उन्होंने कभी कैमरे के सामने आने की कल्पना नहीं की थी। फिर भी, उन्होंने एक बार किस्मत आजमाने का फैसला किया। इसमें उनकी बहन नूपुर ने उनका पूरा साथ दिया। कृति के पास कोई पेशेवर पोर्टफोलियो नहीं था, इसलिए उन्होंने अपनी बहन से कुछ तस्वीरें खींचने का अनुरोध किया। नूपुर ने घर पर ही कृति की कुछ तस्वीरें क्लिक कीं, जिन्हें कृति ने एक ऑनलाइन मॉडलिंग कॉन्टेस्ट के लिए भेज दिया। किस्मत ने साथ दिया और वह कॉन्टेस्ट जीत गईं। इस जीत के बाद उन्हें मशहूर फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी के साथ एक पेशेवर पोर्टफोलियो शूट करने का मौका मिला, जिसने उनके मॉडलिंग करियर की शुरूआत की। मॉडलिंग के बाद कृति ने फिल्मों की ओर रुख किया और साल 2014 में तेलुगु फिल्म 1: नेनोक्काडाइन से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की, जिसमें वह सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आईं। उसी साल, उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा और टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म हीरोपंती से बॉलीवुड में डेब्यू किया।

## प्राजक्ता के साथ काम करना बेहद शानदार: मिहिर आहूजा

अभिनेत्री प्राजक्ता कोली इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में प्राजक्ता पहली बार अभिनेता मिहिर आहूजा के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी। यह वेब सीरीज 1999 के कारगिल युद्ध की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। हाल ही में अभिनेता मिहिर आहूजा ने प्राजक्ता के साथ काम करने के अपने अनुभव साझा किए हैं। मिहिर ने कहा, प्राजक्ता के साथ काम करना मेरे लिए बेहद शानदार अनुभव रहा। वह हर सीन में अपनी ईमानदारी और सहजता लेकर आती हैं, जिसकी वजह से हमारे किरदारों के बीच रिश्ते को पर्दे पर स्वाभाविक ढंग से निभाना आसान हो गया।

उन्होंने आगे बताया कि चूंकि यह उनका पहला प्रोजेक्ट है, इसलिए उनके बीच की नई ऊर्जा स्क्रीन पर साफ दिखाई देगी, जो दर्शकों को पसंद आएगी। मिहिर ने यह भी कहा, यह कहानी युद्ध, साहस और बलिदान पर आधारित जरूर है, लेकिन इसके बीच किरदारों के भावनात्मक रिश्ते भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इन भावनात्मक पहलुओं से भी उसी तरह जुड़ेंगे, जैसे हम शूटिंग के दौरान जुड़े थे। अपने किरदार को लेकर मिहिर आहूजा ने कहा, एक युवा एयरफोर्स पायलट का किरदार निभाना मेरे लिए सम्मान की बात रही।

# राष्ट्रमण्डल खेल : भारत के मुरली श्रीशंकर ने लंबी कूद में रजत पदक जीता

**ग्लासगो, यूटर्न/ 30 जुलाई ।** भारतीय एथलीट मुरली श्रीशंकर ने यहां खेले जा रहे राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक जीता है। मुरली ने पुरुषों की लंबी कूद में 8.09 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक हासिल किया। मुरली का ये राष्ट्रमण्डल खेलों में दूसरा पदक है। इससे पहले साल 2022 में भी मुरली ने इन खेलों में रजत पदक जीता था। मुरली के इस पदक के साथ ही इन खेलों में भारत के अब 13 पदक हो गये हैं। मुरली की ये जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि साल 2024 में उन्हें एक गंभीर चोट लगी थी। जिससे वह पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गए थे। इसके बाद भी श्रीशंकर ने रिहैब और कड़ी मेहनत के बाद वापसी करते हुए पदक जीता है।

स्वर्ण पदक जमेका के ताजे गेल ने 8.15 मीटर की छलांग लगाकर जीता जबकि मेजबान स्कॉटलैंड के स्टीफन मैकेंजी ने 8.08 मीटर के प्रयास के साथ ही कांस्य पदक जीता। श्रीशंकर केवल 0.06 मीटर से स्वर्ण पदक हासिल नहीं कर पाये। वहीं श्रीशंकर के अलावा भारतीय मुक्केबाजों ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर करीब 10 पदक पक्के किये हैं। छह मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। ये राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में भारतीय मुक्केबाजी का अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन है।मुक्केबाज अंकुश यादव के अलवा महिला मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने जीत दर्ज की. वहीं अरुंधति चौधरी और सचिन सिवाच ने भी अपने-अपने मुकाबले आसानी से जीते हैं।

## फोटो स्टोरी

ग्लासगो में राष्ट्रमण्डल पैरा खेलों में पदक विजेता खिलाड़ी एक साथ नजर आ रहे। इसमें स्वर्ण विजेता वुडस बीच में दिख रहे जबकि कनाडा की नंदिनी शर्मा बाएं व इंग्लैंड की इलियोस कोटास दायीं और रहीं।

## फटाफट खबरें

### आईडीएफ ने दक्षिणी लेबनान में घरों में आग लगा दी: सूत्र

**बेरूत, यूटर्न/ 30 जुलाई।** इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दक्षिणी लेबनान की कई बस्तियों पर भारी तोपखाने से गोलाबारी की और कंतारा बस्ती में रिहायशी इमारतों में आग भी लगा दी। यह जानकारी लेबनान के एक सैन्य सूत्र ने स्पुतनिक को दी। सूत्र ने गुरुवार को बताया, 'आधी रात से ही इजरायली सेना भारी तोपों से नबातिह अल-फौका और अली अल-ताहेर पहाड़ी पर गोलाबारी कर रही है। सेना ने कंतारा में कई घरों में आग भी लगा दी।' उन्होंने कहा कि अल-मंसूरी बस्ती में भी धमाके से इमारतों को उड़ा दिया गया। उन्होंने बताया कि तैबेह और कफर तिबनित के बाहरी इलाकों में भी इसी तरह के दो और जबरदस्त धमाके हुए।

### पीओके में जनरल डायर की तरह फायरिंग कर रहा पाकिस्तान

**रावलाकोट, यूटर्न/ 30 जुलाई।** पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पिछले आठ सप्ताह से जारी आंदोलन के बीच हालात लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। रावलाकोट और मीरपुर समेत कई क्षेत्रों में प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों पर निहत्थे नागरिकों पर गोलीबारी करने और बल प्रयोग का आरोप लगाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकारों, सुशासन और क्षेत्रीय संसाधनों पर स्थानीय लोगों के अधिकार की मांग को लेकर 50 दिनों से अधिक समय से विरोध प्रदर्शन जारी है। पिछले तीन दिनों में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ने और कई स्थानों पर झड़पों के बाद स्थिति और गंभीर हो गई है। पाकिस्तान सेना मरने वालों की लाश भी उनके परिजनों को नहीं दे रही। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि भारी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद बड़ी संख्या में लोग रावलाकोट में एकत्र हुए, जहां सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की। उनका आरोप है कि इस कार्रवाई में हताहतों की संख्या आधिकारिक आंकड़ों से अधिक है। वहीं, मीरपुर में भी प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों की कार्रवाई में एक दर्जन से अधिक लोगों के मारे जाने का दावा किया है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और पाकिस्तान की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। आंदोलनकारियों ने मानवाधिकार उल्लंघन के गंभीर आरोप भी लगाए हैं। उनका कहना है कि मृतकों के शव उनके परिजनों को नहीं सौंपे जा रहे और रिश्तेदारों की अनुमति के बिना ही अंतिम संस्कार या दफन की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

### ट्रंप-नेतन्याहू के बीच हुआ मंथन, अगले दिन ईरान पर बरसने लगे बम

**वॉशिंगटन, यूटर्न/ 30 जुलाई।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की व्हाइट हाउस में हुई बैठक के अगले ही दिन पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ गया। अमेरिका ने ईरान के सैन्य ठिकानों पर नए सिरे से हवाई हमले शुरू किए हैं। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई जॉर्डन में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हुए बैलिस्टिक मिसाइल हमले के जवाब में की गई है। इससे पहले क्षेत्र में कुछ दिनों से अपेक्षाकृत शांति थी, लेकिन ताजा घटनाक्रम ने हालात को फिर गंभीर बना दिया है। व्हाइट हाउस में ट्रंप और नेतन्याहू के बीच करीब 90 मिनट तक बंद कमरे में बैठक हुई थी। दोनों नेताओं ने बैठक के बाद ईरान के मुद्दे पर एकजुटता जताते हुए द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बताया।

## फोटो स्टोरी

यूक्रेन की राजधानी कीव में रुवी मिसाइल हमले के बाद उठता हुआ धूआं।

## बॉस को दान कर दी किडनी फिर भी कर्मचारी की चली गई नौकरी

**वाशिंगटन, यूटर्न/ 30 जुलाई।** अमेरिका की एक महिला कर्मचारी का वर्षों पुराना मामला एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। यह मामला डेबी स्टीवंस नामक कर्मचारी का है, जिन्होंने अपनी वरिष्ठ अधिकारी (बॉस) की मदद के लिए किडनी दान की थी। हालांकि, किडनी दान के कुछ महीनों बाद ही उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। कर्मचारी का आरोप था कि स्वास्थ्य कारणों से छुट्टियां लेने के चलते उनके साथ भेदभाव किया गया। मामला अदालत तक पहुंचा और बाद में दोनों पक्षों के बीच गोपनीय समझौते के साथ समाप्त हुआ। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, डेबी स्टीवंस की किडनी उनकी बॉस से सीधे मेल नहीं खा रही थी। इसके बावजूद उन्होंने पेयर्ड किडनी एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लिया। इस व्यवस्था में दाता अपनी किडनी किसी अन्य उपयुक्त मरीज को दान करता है, जबकि उसके बदले संबंधित मरीज को किसी दूसरे दाता से अनुकूल किडनी मिल जाती है।

## पाकिस्तान में फैली हिंसा की आग मुनीर पर 40 लोगों की हत्या के आरोप

» **इस्लामाबाद, यूटर्न/ 30 जुलाई**

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने आंदोलन को पूरे पाकिस्तान तक विस्तार देने का आ'ान किया है। संगठन के नेताओं ने लोगों से पाकिस्तान, कश्मीर घाटी, जम्मू, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और पुंछ समेत विभिन्न क्षेत्रों में अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने की अपील की है। उनका कहना है कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि आम नागरिकों के बुनियादी अधिकारों की रक्षा के लिए चलाया जा रहा है। संगठन के एक अन्य सदस्य सरदार उमर नजीर कश्मीरी ने दावा किया कि पिछले तीन दिनों में कम से कम 40 लोगों की मौत हुई है, जबकि पिछले 52-53 दिनों में मृतकों की संख्या लगभग 100 तक पहुंच गई है। उनका आरोप है कि सुरक्षा बलों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिससे बड़ी संख्या में लोग घायल हुए। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। जेएएसी के कोर कमेटी सदस्य सरदार अरमान कश्मीरी ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को मतदान का अधिकार, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, न्याय और बुनियादी सुविधाएं मिलनी चाहिए। उनका आरोप है कि पीओके में लोगों की आवाज दबाने के लिए लगातार बल प्रयोग किया जा रहा है और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की जा रही है। जेएएसी का यह भी आरोप है कि पूरे क्षेत्र में इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गई हैं, जिससे हालात की स्वतंत्र जानकारी सामने आना मुश्किल हो गया है। संगठन का कहना है कि संचार सेवाओं पर प्रतिबंध के कारण लोगों की आवाज दबाई जा रही है और कई इलाकों में विरोध प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी है।

## एआई पावर्ड माइक्रो ड्रोन मच्छरों का करेगा अंत

**वाशिंगटन, यूटर्न/ 30 जुलाई।** अमेरिकी स्टार्टअप टॉर्नयोल ने एक ऐसा क्रांतिकारी एआई पावर्ड माइक्रो ड्रोन विकसित किया है, जो उड़ते हुए मच्छरों को भी मारकर गिरा सकता है। कंपनी का दावा है कि अगर इस तकनीक का इस्तेमाल किया गया तो मच्छर नियंत्रण पर आने वाली लागत को 100 गुना तक कम किया जा सकता है, जो एक कमाल की उपलब्धि होगी। कंपनी के सह-संस्थापक एलेक्स टूसेंट ने 14 जुलाई को एक वीडियो जारी किया, जिसमें उनके ड्रोन ने नियंत्रित परीक्षण क्षेत्र में एक उड़ते हुए पतंगे को सफलतापूर्वक मार गिराया। हालांकि यह एक पतंगा था और मच्छर नहीं, फिर भी यह परीक्षण कंपनी के लिए एक बहुत बड़ा कदम माना जा रहा है, जो तकनीक की क्षमता को दर्शाता है। टॉर्नयोल के इन छोटे ड्रोन का वजन मात्र 40 ग्राम है। इनमें स्मार्टफोन माइक्रोफोन, अल्ट्रासोनिक सेंसर्स और एक खास सॉफ्टवेयर लगाया गया है। ड्रोन अल्ट्रासोनिक पल्स भेजता है और मच्छरों के पंखों से आने वाली विशिष्ट ध्वनि को पहचानकर उन्हें सटीक रूप से लक्षित करता है। यह तकनीक ड्रोन को अन्य कीड़ों से मच्छरों को अलग पहचानने में मदद करती है। कंपनी के इंजीनियर एलेक्स टूसेंट और क्लोविस पिडालू का लक्ष्य है कि इन ड्रोन के झुंड से पूरे शहरी इलाकों में मच्छरों का सफाया किया जा सके। उनका अनुमान है कि मात्र 10 ड्रोन एक वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को मच्छरों से पूरी तरह मुक्त कर सकते हैं।

## 'आमजन को नशिाना बनाकर युद्ध अपराध कर रहा रूस', जेलेंस्की ने जल्द मदद की लगाई गुहार

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 30 जुलाई।**

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस लगातार आम नागरिकों को निशाना बनाकर युद्ध अपराध कर रहा है। गुरुवार तड़के रूसी हमले ने एक परिवार को पूरी तरह तबाह कर दिया। रूसी बैलिस्टिक मिसाइल ने एक मकान पर हमला कर माता-पिता और उनके तीन बच्चों की जान ले ली।

कीव के अलावा नीपर, ल्वीव, पोल्टावा, खार्किव, मायकोलाइव, सुमी, विन्नित्सिया, चेकासी और इवानो-फ्रैंकिव्स्क इलाकों पर रात भर हमला हुआ। सुरक्षाकर्मी मलबे में दबे लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''गुरुवार तड़के रूस के एक मिसाइल हमले में नीपर क्षेत्र के रादुश्ने में एक परिवार तबाह हो गया। इस हमले में माता-पिता और उनके तीन बच्चों की मौत हो गई। वहीं, दो अन्य बच्चों को मलबे के नीचे से जीवित निकाल लिया गया। यह एक आम परिवार का घर था, जिसे बैलिस्टिक मिसाइल ने पूरी तरह से बर्बाद कर दिया।''

जेलेंस्की ने कहा, ''ल्वीव में भी बचाव कार्य जारी है, जहां एक रिहायशी इमारत पर हमला हुआ था। राहतकर्मी मलबा हटा रहे हैं

और लोगों की तलाश जारी है। अब तक पूरे देश में कम से कम आठ लोगों के मारे जाने की खबर है। मैं उनके परिवारों और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।'' उन्होंने बताया कि कई लोग घायल हुए हैं, और सभी को जरूरी मेडिकल सहायता दी जा रही है। सभी संबंधित सेवाएं और एजेंसियां राहत कार्य में लगी हुई हैं। रात भर की इस हमले की लहर में कीव और उसके आसपास का क्षेत्र, साथ ही ड्नीप्रो, ल्वीव, पोल्टावा, खार्किव, मिकोलेइव, सूमी, विनित्सिया, चेरकासी और इवानो-फ्रैंकिव्स्क क्षेत्र निशाने पर रहे। कई आम घर, छोटे-बड़े कारोबार और बुनियादी ढांचे की सुविधाएं नष्ट हो गईं या क्षतिग्रस्त हुईं। जेलेंस्की ने बताया कि इस हमले में 70 से ज्यादा मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया, जिनमें बड़ी संख्या बैलिस्टिक मिसाइलों की थी। इसके अलावा 280 से अधिक अटैक ड्रोन भी छोड़े गए।

## व्हाइट हाउस में रखा एयर फोर्स वन का मॉडल बना आकर्षण का केंद्र

### ट्रंप की शैली और प्राथमिकताओं का प्रतीक

» **वॉशिंगटन, यूटर्न/ 30 जुलाई।**

व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में होने वाली उच्चस्तरीय बैठकों के दौरान एक छोटा विमान मॉडल अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचता है। यह दिखने में भले ही एक सजावटी वस्तु जैसा लगे, लेकिन इसे अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष विमान 'एयर फोर्स वन' के नए प्रस्तावित डिजाइन का मॉडल माना जाता है। यह मॉडल हाल के वर्षों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली, उनकी प्राथमिकताओं और सार्वजनिक प्रस्तुति का एक प्रमुख प्रतीक बनकर उभरा है।

विदेशी राष्ट्राध्यक्षों और शीर्ष नेताओं के साथ होने वाली बैठकों की तस्वीरों में यह मॉडल अक्सर राष्ट्रपति की मेज पर प्रमुख स्थान पर दिखाई देता है। माना जाता है कि इसे जानबूझकर ऐसी जगह रखा जाता है, जहां कैमरों की नजर सबसे पहले पहुंचे। व्हाइट हाउस में आयोजित कई आधिकारिक मुलाकातों की तस्वीरों और वीडियो में यह मॉडल लगातार दिखाई देता रहा है, जिससे इसकी प्रतीकात्मक अहमियत और बढ़ गई है।

यह मॉडल उस नए एयर फोर्स वन विमान की अवधारणा को दर्शाता है, जिसके बाहरी रंग और डिजाइन को लेकर लंबे समय से चर्चा होती रही है। ट्रंप ने पारंपरिक हल्के नीले और सफेद रंग की जगह गहरे लाल, सफेद और नीले रंग का संयोजन प्रस्तावित किया था।

इस बदलाव को लेकर अमेरिका में राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर बहस भी हुई थी। समर्थकों ने इसे आधुनिक और प्रभावशाली डिजाइन बताया, जबकि आलोचकों ने इसे दशकों पुरानी परंपरा से अलग कदम माना। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मॉडल केवल विमान का लघु रूप नहीं, बल्कि ट्रंप की ब्रांडिंग रणनीति का भी हिस्सा है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *